प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग

unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-188 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 2 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा-वृंदावन में चार सितंबर को गूंजेगा कान्हा जन्मोत्सव

निशीथ काल में जन्मेंगे नंदलाला, मंदिरों में विशेष आयोजन

राधारमण में दिन में होगा ठाकुरजी का प्राकट्योत्सव

बांकेबिहारी मंदिर में आधी रात होगा महाभिषेक

पांच सितंबर को ब्रज में छाएगी नंदोत्सव की धूम

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धरा पर एक बार फिर कान्हा के जन्म की खुशी छाने जा रही है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व चार सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ

मनाया जाएगा। जन्मभूमि से लेकर वृंदावन के मंदिरों तक सजावट, पूजा-अर्चना और जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। गलियों में राधे-राधे और जय कन्हैया लाल की गूंज सुनाई देने लगी है।

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि चार सितंबर की रात 2:25 बजे से शुरू होकर पांच सितंबर की रात 12:13 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर जन्माष्टमी चार सितंबर को मनाई जाएगी। इस दिन रोहिणी नक्षत्र रात 11:04 बजे तक रहेगा। पांच सितंबर को ब्रज में नंदोत्सव की धूम मचेगी।

वृंदावन के राधारमण मंदिर में जन्माष्टमी का रंग कुछ निराला रहेगा। यहां रात के बजाय दिन में ठाकुरजी का प्राकट्योत्सव मनाया जाएगा। चार सितंबर को सुबह नौ बजे महाभिषेक शुरू होगा। दूध, दही, शहद, शर्करा, बूरा और जड़ी-बूटियों से करीब दो घंटे तक अभिषेक होगा। शाहजी और राधादामोदर मंदिर में भी दिन में प्राकट्योत्सव होगा।

निशीथ काल में होगा जन्मोत्सव

मथुरा के पंचांग के अनुसार, चार सितंबर की रात 11:56 बजे से पांच सितंबर की रात 12:41 बजे तक निशीथ काल रहेगा। इसी अवधि में कान्हा के जन्म का मुख्य पूजन, अभिषेक और आरती होगी। जन्मभूमि पर जन्मोत्सव को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। यहां श्रद्धालुओं को सुबह 5:30 बजे से रात 1:30 बजे तक प्रवेश मिलेगा।

बांकेबिहारी में आधी रात की खास पूजा

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रात 12 बजे पंचामृत से ठाकुरजी का महाभिषेक किया जाएगा। इस विशेष अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं को दर्शन नहीं मिलेंगे। प्रेम मंदिर, इस्कॉन, चंद्रोदय और रंगजी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष आयोजन होंगे। ब्रज में जन्माष्टमी केवल पर्व नहीं, बल्कि कान्हा के जन्म की वह भावपूर्ण बेला है, जब हर मन में नंद के घर आनंद भयो की अनुभूति होती है। गलियों से मंदिरों तक भक्ति की बयार और जयकारों से पूरा ब्रज कृष्णमय नजर आएगा।

द्वारिकाधीश मंदिर में चार को मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

यूनिक समय,मथुरा। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में चार सितंबर को होने वाले कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियां कर ली गई हैं। चार सितंबर सुबह छह बजे से 6.15 बजे मंगला दर्शन होंगे, प्रातः 6:30 बजे ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक होगा, सुबह 8.30 बजे श्रृंगार दर्शन और ग्वाल और राजभोग के दर्शन होंगे। सायंकाल 7:30 बजे उत्थापन दर्शन, इसके पश्चात भोग, संध्या आरती और शयन के दर्शन होंगे और रात्रि 10:00 बजे जागरण झांकी होगी और फिर रात्रि 11:45 बजे भगवान के जन्म के दर्शन भगवान के प्राकट्य के दर्शन होंगे। उन्होंने बताया कि नंदमहोत्सव पांच सितंबर को प्रातः 10 बजे मंदिर प्रांगण में मनाया जाएगा। ठाकुर जी पालने में झूलेंगे और जन्मोत्सव की खुशी में भक्तों- ग्वालों को खेल-खिलौने, वस्त्र और आभूषण लुटाए जाएंगे। नंद महोत्सव के बाद मंगला, श्रृंगार, ग्वाल, राजभोग और उत्थापन के दर्शन की सेवाएं चालू रहेंगी। सायंकाल 4:30 से पांच बजे शयन के दर्शन करेंगे। इसके बाद कोई दर्शन नहीं खुलेंगे।

डेढ़ घंटे की झमाझम बारिश के बाद शहर में लगता रहा जाम

जलभराव के बीच सड़कों पर रेंगते रहे वाहन

स्कूलों की छुट्टी से यातायात का दबाव बढ़ा

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार दोपहर हुई करीब डेढ़ घंटे की झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन इसके थमते ही शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। बारिश के दौरान लोग भीगने से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रुक गए थे। वर्षा थमने के बाद एक साथ बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों से सड़कों पर निकल पड़े। इससे कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई।

जलभराव वाले रास्तों पर कार और दोपहिया वाहन चालकों को धीमी गति से निकलना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन चालकों के रुकने और रास्ता बदलने से यातायात की रफ्तार और प्रभावित हुई। मुख्य डाकघर, कलेक्ट्रेट, स्टेट बैंक, नया बस स्टैंड, बीएसए कॉलेज, कंकाली, कृष्णानगर समेत कई इलाकों में वाहन रेंगते नजर आए।

लंबे इंतजार के बाद बुधवार को बारिश हुई तो हर कोई शरीर को भिगोता दिखा। ऐसे में एक बच्चा सिर पर हेलमेट लगाकर बारिश से बचाव करता रहा।

इसी दौरान स्कूलों की छुट्टी होने से सड़कों पर वाहनों का दबाव और बढ़ गया। अभिभावकों के वाहन, ई-रिक्शा और अन्य यात्री वाहनों की संख्या बढ़ने से स्थिति विकट हो गई। जाम के कारण लोगों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लगा। बारिश के बाद लगे जाम ने राहगीरों और वाहन चालकों को परेशान किया। लोगों का कहना था कि जलभराव वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए जाने चाहिए।

300 से अधिक कमरों वाले होटल रेड श्रेणी में होंगे

छोटे होटल और गेस्ट हाउस को ग्रीन श्रेणी में मिली राहत

स्वच्छ ईंधन अपनाने पर कई प्रतिष्ठानों को लाभ मिलेगा

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने होटल, रिसॉर्ट, रेस्तरां, ढाबे और बैंक्वेट हॉल के पर्यावरणीय वर्गीकरण के नियमों में बदलाव किया है। संशोधित व्यवस्था में प्रतिष्ठानों को कमरों की संख्या, प्रदूषण क्षमता और स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के आधार पर रेड, ऑरेंज, ग्रीन और व्हाइट श्रेणी में रखा जाएगा। नए प्रावधानों से छोटे होटल संचालकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

नियमों के अनुसार 300 से अधिक कमरों वाले होटल रेड श्रेणी में होंगे। इनका प्रदूषण सूचकांक 81.25 निर्धारित किया गया है। हालांकि स्वच्छ अथवा गैस आधारित ईंधन का इस्तेमाल करने वाले ऐसे होटल ऑरेंज श्रेणी में आ सकेंगे। 101 से 300 कमरों वाले होटल ऑरेंज श्रेणी में रखे गए हैं। 21 से 100 कमरों वाले होटल सामान्य तौर पर ऑरेंज श्रेणी में होंगे, जबकि स्वच्छ ईंधन अपनाने पर इन्हें ग्रीन श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। 20 कमरों तक के छोटे होटल और गेस्ट हाउस को ग्रीन श्रेणी में रखा गया है। निर्धारित स्वच्छ ईंधन अपनाने पर इन्हें व्हाइट श्रेणी में आने का विकल्प भी मिलेगा। इससे छोटे कारोबारियों पर पर्यावरणीय अनुपालन का दबाव कम होगा। रेस्तरां और ढाबों में 200 से अधिक सीट वाले प्रतिष्ठान ऑरेंज, 101 से 200 सीट वाले ग्रीन और 100 तक सीट वाले व्हाइट श्रेणी में होंगे। इसी तरह 2500 वर्गमीटर से बड़े बैंक्वेट हॉल ऑरेंज, 1000 से 2500 वर्गमीटर वाले ग्रीन और 1000 वर्गमीटर तक के हॉल व्हाइट श्रेणी में रखे गए हैं। होटल संचालक मोहम्मद हनीफ ने बताया कि नए नियम प्रतिष्ठानों के वास्तविक प्रदूषण भार के अनुरूप पर्यावरणीय वर्गीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव हैं।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन पद पर अटका था 48-48 से फैसला

पर्ची ने चुना नितिन मित्तल को चेयरमैन

अग्रवाल शिक्षा मंडल चुनाव में टाई के बाद निकली पर्ची

प्रदीप अग्रवाल को पछाड़ नितिन मित्तल बने कॉलेज चेयरमैन

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के चुनाव में बराबरी पर अटका चेयरमैन पद का फैसला आखिरकार पर्ची के जरिए हुआ। 25 अगस्त को हुए चुनाव में प्रदीप कुमार अग्रवाल और नितिन मित्तल को 48-48 मत मिले थे। दोनों प्रत्याशियों के समान मत मिलने के कारण चुनाव का परिणाम टाई हो गया था।

नितिन मित्तल

चुनाव अधिकारी सुभाष अग्रवाल सिक्का ने विधिक राय लेने के बाद बुधवार को पर्ची डालकर परिणाम घोषित किया। पर्ची के माध्यम से हुए निर्णय में नितिन मित्तल को 3-2 से विजयी घोषित किया गया। इसके साथ ही बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के नए चेयरमैन के रूप में नितिन मित्तल का चयन हो गया। परिणाम घोषित होने के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष अग्रवाल सिक्का के साथ सह चुनाव अधिकारी मनीष गर्ग सहित श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। इनमें प्रभु अग्रवाल, मनीष गर्ग, धीरेन्द्र अग्रवाल और मंडल के वर्तमान मंत्री किशोर कुमार अग्रवाल (कोयला वाले) समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद नितिन मित्तल के समर्थकों में उत्साह देखा गया। पर्ची से हुए निर्णय के कारण यह चुनाव मंडल के सदस्यों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। अब नए चेयरमैन के नेतृत्व में कॉलेज की आगामी गतिविधियों और योजनाओं को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

जन्माष्टमी पर गलियों से आसमान तक सजेगा ब्रज संस्कृति का रंग

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर गोविंद नगर चौराहे पर सजा सेल्फी पॉइंट।

यूनिक समय, मथुरा। कन्हैया के जन्मोत्सव का उल्लास ब्रजभूमि में परवान चढ़ने लगा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन की गलियां, चौराहे और प्रमुख सांस्कृतिक स्थल कृष्ण भक्ति, लोक संस्कृति, संगीत और नृत्य के रंग में सराबोर नजर आएंगे। कहीं बीन की मधुर धुन श्रद्धालुओं का स्वागत करेगी तो कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप और लोक नृत्य उत्सव की रंगत बढ़ाएंगे।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि जन्माष्टमी पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु ब्रजभूमि पहुंचते हैं। उनके स्वागत को यादगार बनाने के लिए व्यापक सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं। उद्देश्य ब्रज की समृद्ध लोक परंपरा, संगीत और कला को श्रद्धालुओं के सामने जीवंत करना है।

एक हजार कलाकार देंगे प्रस्तुति, 500 ड्रोन दिखाएंगे कृष्ण लीला

कान्हा के जन्मोत्सव में ब्रज की संस्कृति से सजेगी मथुरा-वृंदावन

जन्माष्टमी पर करीब एक हजार कलाकार कृष्ण भक्ति संगीत और ब्रज लोक कला की प्रस्तुतियां देंगे। इसके लिए पांच बड़े और 27 छोटे मंच तैयार किए गए हैं। मंचों पर करीब 600 लोक कलाकार भजन-कीर्तन, लोकगीत, लोक नृत्य और कृष्ण लीलाओं से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख आयोजन पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में होंगे। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर करीब 350 सड़क कलाकार भी अपनी कला से श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे। बीन, ढोल, नगाड़े, ढपली, शहनाई और तबला-बेला जैसे वाद्ययंत्रों की धुनें वातावरण को कृष्णमय बनाएंगी।

उन्होंने बताया कि इस बार जन्माष्टमी पर आसमान भी कृष्ण लीला का साक्षी बनेगा। चार सितंबर की रात करीब नौ से दस बजे जन्मस्थान के निकट किशोरी रमण बीएड कॉलेज से भव्य प्रकाशीय आकाशीय प्रदर्शन होगा। इसमें 500 ड्रोन कृष्ण लीला से जुड़ी विभिन्न आकृतियां बनाकर दिव्य नजारा प्रस्तुत करेंगे।

जेल में जन्माष्टमी की तैयारियां तेज, सजेगा कृष्ण मंदिर

बंदियों की ओर से होंगे भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर जिला कारागार में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। जेल परिसर में बने मंदिर और बैरकों को सजाया जा रहा है। मंदिर में विशेष रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से संबंधित चित्र भी बनाए गए हैं।

कारागार अधीक्षक अंशुमान गर्ग ने बताया कि जन्माष्टमी को लेकर बंदियों में उत्साह है। बंदियों द्वारा मंदिर में भजन-कीर्तन किया जाएगा। इसके साथ ही बैरकों में निरुद्ध बंदी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण के लिए तैयार की जा रही पोशाक को भी आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी पर व्रत रखने वाले बंदियों के लिए व्रत के अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था रहेगी। जेल प्रशासन की ओर से जन्मोत्सव के दौरान साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बंदियों को धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा, जिससे कारागार परिसर में भक्तिमय माहौल बनेगा।

दीवारों पर उकेरी जा रहीं आकर्षक आकृतियां

जन्माष्टमी पर्व को लेकर चित्रकारी करता पेंटर।

यूनिक समय, वृंदावन। जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर निगम की ओर से शहर को आकर्षक रूप देने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शहर की दीवारों को रंग-बिरंगी चित्रकारी से सजाया जा रहा है। दीवारों पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, प्रकृति और ब्रज संस्कृति से जुड़ी विभिन्न आकृतियां बनाई जा रही हैं। इससे शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों का स्वरूप निखरने लगा है। नगर निगम की दीवारों पर कलाकारों द्वारा आकर्षक चित्र बनाए जा रहे हैं। कहीं फूल-पत्तियों की आकृतियां उकेरी जा रही हैं तो कहीं मोर और अन्य प्राकृतिक चित्रों के माध्यम से ब्रज की संस्कृति को दर्शाया जा रहा है। कई स्थानों पर दीवारों को नीले रंग की पृष्ठभूमि देकर उस पर रंगीन चित्रकारी की जा रही है। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों का ध्यान भी इन दीवारों की ओर आकर्षित हो रहा है।

जन्माष्टमी के अवसर पर वृंदावन में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में नगर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के साथ ही प्रमुख मार्गों- सार्वजनिक स्थलों को सजाने पर भी जोर दिया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की चित्रकारी से शहर की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी वृंदावन की संस्कृति और कला की झलक देखने को मिलेगी।

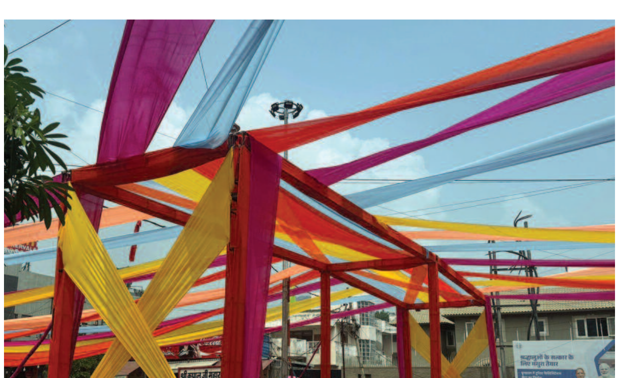
जन्माष्टमी पर्व को लेकर सजाया गया प्रेम मंदिर तिराहा।

जन्माष्टमी को लेकर रंग-बिरंगी सजावट से चमका प्रेम मंदिर तिराहा

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर मंदिरों की नगरी तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। श्रद्धालुओं के प्रमुख आवागमन वाले प्रेम मंदिर तिराहे को रंग-बिरंगी सजावट से आकर्षक रूप दिया गया है। तिराहे पर विभिन्न रंगों के कपड़ों और सजावटी पर्दों से विशेष सजावट की गई है, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। तिराहे पर सड़क के ऊपर और आसपास लगाए गए गुलाबी, पीले, नारंगी और आसमानी रंग के कपड़ों से पूरा क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है। मुख्य मार्ग पर बनाए गए सजावटी ढांचे और कपड़ों की आकर्षक डिजाइन से यहां से गुजरने वाले श्रद्धालुओं को जन्माष्टमी के पर्व का एहसास हो रहा है। दिन में धूप के बीच रंगीन कपड़ों की छटा और भी मनमोहक दिखाई दे रही है। जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसी को देखते हुए नगर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सजावट और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रेम मंदिर तिराहे पर की गई सजावट भी इसी तैयारी का हिस्सा है। रंग-बिरंगी सजावट के बाद प्रेम मंदिर तिराहा जन्माष्टमी के उत्सवी माहौल में नजर आने लगा है। आगामी दिनों में यहां और भी सजावट और रोशनी का नजारा देखने को मिल सकता है।

त्योहार पर मुख्यमंत्री आगमन से व्यापारियों में नाराजगी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल महानगर की समन्वय बैठक बुधवार को कैंप कार्यालय में हुई। महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री का श्रीकृष्ण की धरा पर आगमन स्वागत योग्य है, लेकिन त्योहार के दौरान उनके कार्यक्रम से यात्रियों और आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि बाहर सजावट और चमक-दमक है, जबकि शहर के अंदर सड़कें और फुटपाथ टूटे हैं और कई स्थानों पर नाले खुले पड़े हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष और मथुरा सराफा कमेटी के अध्यक्ष कंचन लाल सर्राफ ने कहा कि नगर आयुक्त नए हैं और अधीनस्थ अधिकारी उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं करा रहे। उन्हें स्वयं शहर का निरीक्षण कर समस्याओं को देखना चाहिए। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश अग्रवाल, सह महामंत्री आशीष अग्रवाल, संतोष चौधरी, मीडिया प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा पिंटू और वरिष्ठ संगठन मंत्री नरेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के त्योहार पर आगमन को लेकर नाराजगी जताते व्यापारी।

जन्माष्टमी पर भीड़ नियंत्रण की तैयारी, संवारा जा रहा फुटपाथ

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को लेकर नगर में तैयारियां तेज हो गई हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रेम मंदिर क्षेत्र में भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। सोमवार सुबह प्रेम मंदिर के बाहर फुटपाथ पर काम चलता दिखाई दिया।

प्रेम मंदिर प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है, जन्माष्टमी जैसे पर्वों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने और पैदल आने-जाने वाले लोगों को परेशानी से बचाने के लिए फुटपाथ को व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है। सुबह के समय फुटपाथ पर कर्मचारी काम करते नजर आए। माना जा रहा है कि जन्माष्टमी के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पैदल श्रद्धालुओं के लिए रास्ते को बेहतर बनाया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को सड़क पर चलने की आवश्यकता कम होगी और मुख्य मार्ग पर यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने में मदद मिलेगी।

प्रेम मंदिर के सामने फुटपाथ को सही करते श्रमिक।

जन्माष्टमी के दौरान प्रेम मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है। इसे देखते हुए मंदिर के आसपास पैदल मार्ग, यातायात और भीड़ नियंत्रण से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर चल रहे कार्यों का उद्देश्य पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और व्यवस्थित आवागमन उपलब्ध कराना है। आने वाले दिनों में भी श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को लेकर अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री देंगे कल मथुरा को 446 करोड़ की सौगात

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा–वृंदावन को 446.09 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की 42 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इनमें 263.69 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का शिलान्यास और 182.39 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई 23 परियोजनाओं का लोकार्पण शामिल है।

शिलान्यास वाली परियोजनाओं में ऊंचागांव स्थित सखीगिरी पर्वत के वन क्षेत्र का पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, महावन में पर्यटक सुविधाओं का विकास, दाऊजी मंदिर परिसर का संरक्षण, फरह के दीनदयाल धाम में पर्यटन अवस्थापना केंद्र और वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर भवनों की सजावट शामिल है। गोवर्धन में भी पर्यटन सुविधाओं का विस्तार होगा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की परियोजनाओं में छाता में मास्टर प्लान सड़क, छटीकरा–वृंदावन मार्ग का सौंदर्यीकरण, बरसाना परिक्रमा मार्ग पर पार्किंग और जन्मस्थान क्षेत्र में मार्गों की साज–सज्जा शामिल है। लोकार्पित परियोजनाओं में मथुरा परिक्रमा मार्ग, केशीघाट की प्रकाश व्यवस्था, बरसाना में यात्री सुविधाएं और विभिन्न प्रवेश द्वार शामिल हैं। इससे धार्मिक पर्यटन, यात्री सुविधाओं और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कल आएंगे सीएम योगी, चार को करेंगे गौ पूजन

यूनिक समय,मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन जिले में रहेंगे। वह इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गौ पूजन करेंगे, जबकि एक दिन पहले जिले को करोड़ों रुपये की विकास से जुड़ी सौगात भी देंगे। सीएम कार्यालय की ओर से जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री तीन सितंबर को फर्रूखाबाद जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब एक बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से वृंदावन स्थित हेलीपैड पवनहंस पहुंचेंगे। इसके बाद कार से भक्ति स्थल मार्ग का भ्रमण-निरीक्षण करेंगे। वह गीता शोध संस्थान में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की समीक्षा बैठक के अलावा सीएएम गीता शोध संस्थान, प्रेम महागृह का लोकार्पण-शिलान्यास, पौधारोपण और साधु–संतों का सम्मान, विभिन्न परियोजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। अगले दिन चार सितंबर को मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर गो–पूजन और दर्शन–पूजन करेंगे।

जन्माष्टमी पर स्वास्थ्य विभाग ने किए पुख्ता चिकित्सा इंतजाम

मथुरा–वृंदावन समेत प्रमुख मंदिरों में लगेंगे चिकित्सा शिविर

चार दिन कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक

प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस रहेंगी तैनात

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा–वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। दो से पांच सितंबर तक मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और बल्देव में अस्थायी चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, औषधि वितरक और सहायक कर्मचारी तैनात रहेंगे।

चार दिन तक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के बालगोपाल विद्यालय, भगवत भवन, गोविंद नगर थाना, पोतरा कुंड तिराहा और जन्मभूमि पुलिस नियंत्रण कक्ष के पास चिकित्सा दल तैनात रहेंगे। इसके अलावा द्वारिकाधीश मंदिर और विश्राम घाट पर भी चिकित्सा व्यवस्था रहेगी। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के प्रवेश द्वारों, स्नेह बिहारी मंदिर, बिहारी जी पुलिस चौकी, फलारी बाबा आश्रम, जादौन पार्किंग, विशिष्ट पार्किंग और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सा दल मौजूद रहेंगे। बरसाना के राधारानी मंदिर, गोवर्धन के दानघाटी मंदिर और बल्देव के दाऊ जी मंदिर में भी चिकित्सकों की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की आकस्मिक स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस तैनात रहेंगी। बालगोपाल विद्यालय, पोतरा कुंड, जन्मभूमि, गोविंद नगर, द्वारिकाधीश मंदिर, बरसाना, गोवर्धन दानघाटी, डीग गेट, भूतेश्वर, गोवर्धन चौराहा और बस अड्डे के आसपास एंबुलेंस उपलब्ध रहेंगी। एंबुलेंस व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी डा. भूदेव सिंह और डा. गोपाल गर्ग को दी गई है।

सीएमओ राधाबल्लभ ने बताया कि प्रत्येक अस्थायी चिकित्सा शिविर में स्ट्रेचर, व्हीलचेयर, दो छोटे और एक बड़ा ऑक्सीजन सिलेंडर, रक्तचाप जांच मशीन, रक्त शर्करा जांच यंत्र और जरूरी दवाएं उपलब्ध रहेंगी। किसी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ने पर मौके पर तत्काल उपचार दिया जाएगा। गंभीर स्थिति होने पर मरीज को उच्च चिकित्सा केंद्र भेजने की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी चिकित्सक और कर्मचारी एप्रन, पहचान–पत्र और स्टेथेस्कोप के साथ निर्धारित स्थान पर ड्यूटी करेंगे।

काशी से कान्हा के लिए भेजे चांदी के कंगन और मुरली

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर काशी से भगवान श्रीकृष्ण के लिए विशेष उपहार मथुरा भेजे गए हैं। बाबा विश्वनाथ की ओर से लड्डू गोपाल के लिए चांदी के कंगन और मुरली समेत अन्य पूजन सामग्री भेजी गई है। बुधवार को काशी विश्वनाथ धाम में विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उपहारों को सजे हुए वाहन में रखकर मथुरा के लिए रवाना किया गया।

बताया गया कि काशी और ब्रज के धार्मिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से यह भेंट भेजी गई है। जन्माष्टमी पर मथुरा पहुंचने के बाद उपहारों को भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित किया जाएगा।

काशी से आए इस विशेष उपहार को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्सुकता है। धार्मिक परंपरा के तहत इसे काशी के बाबा विश्वनाथ की ओर से कान्हा के लिए प्रेम और आशीर्वाद का प्रतीक माना जा रहा है।

मथुरा जंक्शन पर आरपीएफ ने चलाया चेकिंग अभियान

यूनिक समय मथुरा। आरपीएफ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मद्देनजर आज रेलवे स्टेशन सहित सर्कुलेटिंग एरिया सहित अन्य स्थानों पर गहन चेकिंग की। चेकिंग में डॉग स्कवॉयड और बम निरोधक दस्ता भी शामिल था।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी त्योहार के मद्देनजर मथुरा जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आज मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल प्रभारी निरीक्षक मथुरा जंक्शन यू के कौशिक के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक रघुराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामनरेश ने मय स्टाफ व स्वान दस्ते के साथ गहनता से स्टेशन पर आने जाने वाली गाड़ियों के अलावा यात्रियों के सामान को मेटल डिटेक्टर से चेक किया गया। एवं प्लेटफॉर्म एरिया, वेटिंग हॉल, सर्कुलेटिंग एरिया और यात्रियों को प्लेटफार्म के लिए आने जाने वाले पुल आदि पर चैकिंग करते हुऐ सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया ,चेकिंग के दौरान कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु नहीं मिला।

आरपीएफ द्वारा इस तरह की सघंन चेकिग करने के दौरान यात्रियों को स्टेशन पर किसी घटना के होने की आशंका बनी रही,लेकिन जब यात्रियों को पता लगा कि जन्माष्टमी को लेकर यात्रियों की सुरक्षा के लिए इस तरह की चेकिंग की जा रही है तब बहुत से यात्रियों की आशंका शांत हुई।

श्रीकृष्णोत्सव की शोभायात्रा आज

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्णोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह नौ बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान के गेट नंबर–1 से निकलने वाली शोभायात्रा में ब्रज से जुड़े क्षेत्रों के पारंपरिक लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

जन्माष्टमी पर 12 लाख की पोशाक में सजेंगे बांकेबिहारी

चांदी की आरती से होगी मंगला आरती, विशेष कलश भी आया

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में ठाकुरजी के दिव्य दर्शन की विशेष तैयारी की जा रही है। इस बार ठाकुरजी के लिए करीब 12 लाख रुपये की तीन खास पोशाकें तैयार कराई गई हैं। दिल्ली के कारीगरों ने पीले जरीदार वस्त्रों पर जरदोजी और नगों से आकर्षक कारीगरी की है। इन्हें करीब ढाई माह में एक दर्जन कारीगरों ने तैयार किया है।

चार सितंबर की रात 12 बजे ठाकुरजी का पंचामृत से महाभिषेक होगा। इसके लिए 125 किलो दूध, 100 किलो दही, शहद, केसर और जड़ी–बूटियां मंगाई गई हैं। अभिषेक के लिए विशेष धातु का कलात्मक कलश और मंगला आरती के लिए चांदी की आरती लाई गई है। इसके बाद ठाकुरजी बाल स्वरूप में पीत वस्त्र और मोर मुकुट धारण कर भक्तों को दर्शन देंगे।

पुलिस ने बरामद की गार्ड की चोरी हुई बंदूक

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने कंपनी के सुरक्षा गार्ड की कमरे में रखी लाइसेंसी बंदूक चोरी करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर बंदूक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, वृंदा आराध्य कंपनी में सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी करने वाले की लाइंसेसी बंदूक कमरे में रखी हुई थी। कमरे में रखी बंदूक को किसी ने मंगलवार को चोरी कर लिया। काफी तलाश करने के बाद भी जब बंदूक का कुछ पता नहीं लगा तो सुरक्षा गार्ड ने इस मामले में थाना बरसाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद चोरी हुई बंदूक का पता लगाने के लिए आस–पास के सीसी टीवी केमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही दूसरे तरीके से भी बंदूक चोरी का पता लगाया। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त राहुल निवासी नरेना थाना खोह जनपद डीग राजस्थान को कंपनी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में अभियुक्त ने चुराई हुई दुनाली बंदूक 12 बोर बरामद करा दी। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बारिश से खेत लहलहाए, किसानों के चेहरों पर लौटी रौनक

बुधवार को हुई वर्षा की वजह से शहर के कंकाली मार्ग पर हुए जलभराव से निकलते श्रद्धालु।

बारिश बंद होने के बाद बीएसए कालेज के सामने लगे जाम में फंसे वाहन।

करीब डेढ़ घंटे की झमाझम बारिश से मिली बड़ी राहत

अगस्त में सूखे के बाद सितंबर की बारिश बनी संजीवनी

टाउनशिप, नवादा में सड़कों पर भरा बारिश का पानी

यूनिक समय, मथुरा। लंबे इंतजार के बाद बुधवार को मौसम ने करवट बदली। दोपहर में हुई झमाझम बारिश ने जिले के किसानों को बड़ी राहत दी। लगभग डेढ़ घंटे तक हुई बारिश से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मौसम सुहाना हो गया। खेतों में खड़ी फसलों को पानी मिलने से किसानों के चेहरे भी खिल उठे।

अगस्त माह के दौरान अपेक्षित बारिश नहीं होने के बाद भादों में भी मौसम बेरुखा बना हुआ था। अगस्त माह में पर्याप्त बारिश नहीं होने से धान सहित अन्य फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को ट्यूबवेल और अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा था। लगातार सिंचाई से किसानों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा था। बारिश नहीं होने के कारण फसलों की बढ़वार प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी।

सुबह आसमान साफ था, लेकिन 11 बजे के बाद मौसम विभाग का पूर्वानुमान सच साबित होता दिखने लगा। अचानक आसमान पर काले बादल उमड़ आए और हल्की बूंदाबांदी हो गई, जिससे हर कोई बारिश होन की आस लगाता दिखा। करीब दोपहर 12 बजे के बाद कभी तेज और कभी हल्की बारिश ने चेहरों पर मुस्कराहट बिखेर दी। बयार के साथ इस माह की पहली बारिश से सब खुश हो गए। बुधवार को हुई बारिश ने इस चिंता को काफी हद तक कम कर दिया। खेतों में पानी पहुंचने से धान और अन्य फसलों को आवश्यक नमी मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के बाद किसानों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। लंबे समय से बारिश की राह देख रहे लोगों ने इसे खेती के लिए संजीवनी बताया। सितंबर की शुरुआत में हुई इस बारिश से तापमान में भी गिरावट आई और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। किसानों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी मौसम मेहरबान रहा तो फसलों की स्थिति और बेहतर होगी।

बुधवार को हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं कई इलाकों में जलभराव आफत बन गया। तेज बारिश के बाद टाउनशिप, नवादा और पुराने आरटीओ कार्यालय क्षेत्र की सर्विस रोड पर पानी भर गया। कई स्थानों पर सड़कें पानी में डूबी नजर आईं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हुई।

जलभराव के कारण सर्विस रोड पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, शहर की अनाज मंडी में भी बारिश का पानी भर गया, जिससे दुकानदारों और मंडी आने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके विपरीत नए बस स्टैंड के पास रेलवे पुल के नीचे जलभराव नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली। यहां वाहनों का आवागमन सामान्य रहा। लोगों ने जलभराव वाले स्थानों पर स्थायी जलनिकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

गोकुल रेस्टोरेंट की ओर से आगरा जाने वाले सर्विस रोड पर भरा बारिश का पानी।

बुधवार को जलभराव की वजह से जल्दी निकलने के लिए लोग शॉर्टकट अपनाते दिखे। रेलवे लाइन से दूसरी ओर जाते लोग।

बारिश में डूबी सर्विस रोड जलभराव से बढ़ी परेशानी

राजमार्ग पर पानी भरने से वाहनों की रफ्तार थमी

अनाज मंडी में भी जलभराव रेलवे पुल रहा सुरक्षित

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं शहर के कई हिस्सों में जलभराव ने परेशानी बढ़ा दी। तेज बारिश के चलते राजमार्ग पर पानी भर गया, जबकि सर्विस रोड कई स्थानों पर पूरी तरह जलमग्न नजर आईं। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

शहर की अनाज मंडी में भी बारिश का पानी भर गया। मंडी में जलभराव के कारण दुकानदारों और यहां आने वाले लोगों को परेशानी हुई। सर्विस रोड पर पानी जमा होने से वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ा। कई जगह सड़क और पानी का अंतर समझना मुश्किल हो गया।

हालांकि नए बस स्टैंड के पास रेलवे पुल के नीचे जलभराव नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली। यहां से वाहनों का आवागमन सामान्य बना रहा। बारिश के बाद जलनिकासी व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश से पहले जलनिकासी के इंतजाम दुरुस्त किए जाएं, ताकि जलभराव से होने वाली परेशानी कम हो सके।

इन्फ्लुएंजा से बचाव को स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

खांसी–छींक से फैलता है फ्लू बच्चों और बुजुर्गों का रखें विशेष ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। इन्फ्लुएंजा (फ्लू) सांस से जुड़ी संक्रामक बीमारी है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या उसके करीब रहने से फैल सकती है। ज्यादातर मरीज उचित देखभाल से ठीक हो जाते हैं, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में यह गंभीर हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को बीमारी से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है। फ्लू के मुख्य लक्षणों में अचानक तेज बुखार, ठंड लगना, सूखी खांसी, गले में खराश और नाक बहना या बंद होना शामिल हैं। इसके अलावा सिरदर्द, शरीर और जोड़ों में दर्द और अधिक थकान हो सकती है। बच्चों में उल्टी और दस्त की शिकायत भी हो सकती है। सीएमओ डा. राधाबल्लभ ने लोगों से खांसते और छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल, टिश्यू या कोहनी से ढकने को कहा है। साबुन और पानी से बार–बार हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को न छुएं। भीड़भाड़ वाली और बंद जगहों पर मास्क लगाएं तथा कमरों में हवा आने–जाने की व्यवस्था रखें। बीमार होने पर स्कूल, कार्यालय या भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूरी तरह से आराम करना चाहिए और पानी, सूप व अन्य तरल पदार्थ लेते रहें। 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। अस्थमा, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी और मधुमेह से पीड़ित लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है। सांस लेने में परेशानी, सीने में तेज दर्द, होंठ या नाखून नीले पड़ना, बहुत ज्यादा कमजोरी, बेहोशी या अधिक सुस्ती जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल जाएं। लगातार तेज बुखार रहने या अचानक हालत बिगड़ने पर भी चिकित्सक से संपर्क करें।

पिता ने कराई हादसे में बेटे की हुई मौत की रिपोर्ट

यूनिक समय,वृंदावन। सौ शय्या हॉस्पिटल के समीप ई–रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत के मामले में मृतक के पिता ने अज्ञात ई–रिक्शा चालक के खिलाफ थाना वृंदावन में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

केकई नंदन दुबे निवासी 107 गोधुलिपुरम फेज–2 पानी की टंकी के पास वृंदावन ने बताया कि 11 अगस्त को सौ शैय्या हॉस्पिटल के समीप दोपहर को करीब 2.25 उनके पुत्र अभिषेक दुबे बाइक से लौट रहा था। रास्ते में बैरियर के समीप ई–रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल अभिषेक की मौत हो गई। इस मामले में अज्ञात ई–रिक्शा चालक के खिलाफ तेजी- लापरवाही से ई–रिक्शा चलाकर बाइक को टक्कर मार अभिषेक की मृत्यु करने के मामले रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात ई–रिक्शा चालक की तलाश कर रही है।

तेज बारिश में नगर आयुक्त ने पानी में खड़े रहकर कराई निकासी

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को तेज बारिश शुरू होते ही नगर आयुक्त ओजस्वी राज भूतेश्वर रेलवे अंडरपास पहुंच गए। करीब दो घंटे हुई बारिश से अंडरपास में जलभराव होने पर उन्होंने मौके पर रहकर जल निकासी का कार्य तत्काल शुरू कराया। नगर आयुक्त बारिश के दौरान पानी में खड़े रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे और अधिकारियों–कर्मचारियों को निर्देश दिए।

जल निकासी के लिए अंडरपास के संपवेल में 50 और 80 अश्वशक्ति क्षमता की दो मोटरें लगातार चलाई गईं। इसके अलावा नाले में 30 अश्वशक्ति की मोटर लगाकर भी पानी निकाला गया। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए करीब दो घंटे तक अंडरपास पर आवागमन रोककर दोनों ओर बैरिकेडिंग की गई। दोपहर एक बजे से तीन बजे तक यातायात प्रभावित रहा और 3:20 बजे से आवागमन सुचारू हो गया।

नगर आयुक्त ने बारिश के दौरान नया बस स्टैंड अंडरपास समेत अन्य जलभराव संभावित स्थलों की भी वीडियो कॉल से निगरानी की। नया बस स्टैंड अंडरपास पर जलभराव नहीं हुआ और यातायात सामान्य रहा। नगर निगम के अनुसार, भूतेश्वर से मसानी तक नई पाइप लाइन बिछाए जाने से अब जल निकासी में तेजी आई है। पहले तेज बारिश में यहां 10 से 12 घंटे तक यातायात बाधित रहता था, जबकि अब दो से तीन घंटे में पानी निकालने की व्यवस्था हो रही है।

वर्षा के दौरान भूतेश्वर अंडरपास से पानी की निकासी कराते नगर आयुक्त ओजस्वी राज, साथ हैं अवर अभियंता प्रतिभा ओझा।

दो घंटे बाधित रहा यातायात 3:20 बजे फिर शुरू हुआ आवागमन

नई पाइपलाइन से अब दो तीन घंटे में निकल रहा पानी

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि लीलामंच पर हुई भक्त मीराबाई लीला

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर आयोजित लीला में मंचन करते कलाकार।

मीरा की अनन्य कृष्ण भक्ति ने श्रद्धालुओं को किया भावुक

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के सिद्ध लीलामंच पर भक्ति, त्याग और समर्पण से ओतप्रोत 'भक्त मीराबाई लीला' का भावपूर्ण मंचन किया गया। विश्वप्रसिद्ध रासाचार्य स्वामी देवकीनन्दन के निर्देशन में प्रस्तुत लीला में कलाकारों ने सजीव अभिनय, मधुर भजनों और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से मीराबाई के अटूट कृष्णप्रेम को जीवंत किया। लीला में मीराबाई के बाल्यकाल से लेकर उनके कृष्ण को पति रूप में स्वीकार करने, राजपरिवार की प्रताड़ना सहने, विष के प्याले के अमृत में परिवर्तित होने और अंत में भगवान द्वारिकाधीश के श्रीविग्रह में विलीन होने तक के प्रमुख प्रसंग प्रस्तुत किए गए। बाल्यकाल में ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति मीराबाई की निश्छल भक्ति और समर्पण ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। 'मेरो तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई' के भाव को मंचन के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। लीला के दौरान श्रद्धालुओं ने 'राधे-राधे' के साथ भक्त मीरा के जयकारे लगाए। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीकृष्ण लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि श्रद्धा और भाव के माध्यम से भगवान की प्राप्ति का सहज मार्ग है।

कृष्ण भक्ति में डूबा मथुरा, रास संगीत से सजा श्रीकृष्णोत्सव

कार्यक्रम का शुभारंभ करते ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, विधायक पूरन प्रकाश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन आदि।

नाथद्वारा के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से बांधा भक्तिमय समां

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को भजन, कीर्तन, रासलीला और नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों के साथ श्रीकृष्णोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में आयोजित तीन दिवसीय उत्सव के पहले दिन पूरा परिसर कृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया।

शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, विधायक पूरन प्रकाश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन और हार्टफुलनेस संस्था के निशांत शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अतिथियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कान्हा अकादमी के श्याम सुंदर लाल की आरती से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत हुई। इसके बाद 'लाला के जन्म की बधाई' सहित भजन और कृष्ण लीलाओं की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नाथद्वारा के वेद विद्यालय से आए 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भजन, कीर्तन, सामूहिक नृत्य और काव्यपाठ प्रस्तुत किया। इसके बाद गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी, वृंदावन की ओर से 'मुदरिया प्रेम' रासलीला और नन्दोत्सव की झांकी प्रस्तुत की गई। राधा-कृष्ण की प्रेममयी लीलाओं पर आधारित प्रस्तुति में अभिनय, नृत्य और हास्य-विनोद ने दर्शकों का मन मोह लिया। देर तक 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारे गूंजते रहे।

मंडलीय सीनियर पुरुष हॉकी ट्रायल में मथुरा के खिलाड़ी होंगे शामिल

अभ्यास के दौरान हॉकी खेलते खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी मंडलीय सीनियर पुरुष हॉकी चयन ट्रायल का आयोजन तीन सितंबर को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में किया जाएगा, जिसमें मथुरा के खिलाड़ियों को प्रतिभाग के लिए भेजा गया है। चयनित खिलाड़ियों में अभिषेक कुमार, वीरेंद्र, पुष्प उपाध्याय, मोहित, वीर, देवकुमार, शनि गोला, रवि, सौरभ और चक्रेश नारायण शामिल हैं। इसके अलावा मानवेन्द्र और राजकुमार को आरक्षित खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। ट्रायल सुबह 11 बजे से शुरू होगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने खिलाड़ियों से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने को कहा है।

बीईओ पर आय से अधिक संपत्ति का मामला, जांच की मांग

शिक्षा विभाग के अधिकारी पर गंभीर आरोप, कार्रवाई की मांग

अतिरिक्त प्रभार और कथित वसूली को लेकर भी उठे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा विभाग में तैनात एक खंड शिक्षा अधिकारी पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप लगाने वालों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई की मांग की है।

आरोप है कि अधिकारी को मथुरा नगर क्षेत्र के साथ अन्य विकासखंडों का अतिरिक्त प्रभार भी मिला हुआ है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी उन्हें कई क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी दौरान विद्यालयों के निरीक्षण और अन्य विभागीय गतिविधियों में कथित रूप से अनियमितताओं के आरोप लगाए गए। शिकायत में मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान हाथिया न्याय पंचायत क्षेत्र में विद्यालयों की जांच का भी उल्लेख किया गया है। आरोप लगाने वालों का दावा है कि इस दौरान शिक्षकों से कथित रूप से धन की मांग की गई।

नंदगांव क्षेत्र में एक नोडल एआरपी और प्रधानाध्यापक से जुड़े विवाद की जांच का मामला भी शिकायत में उठाया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि संबंधित प्रकरण में जांच अधिकारी की भूमिका को लेकर सवाल उठे थे।

दुवासु में सितार की स्वर-लहरियों से सजी सांस्कृतिक संध्या

कार्यक्रम का शुभारंभ करते दुवासु के कुलपति प्रो. अभिजीत मित्र आदि।

स्पिक मैके के परिचय कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संस्कृति से जोड़ा

गौरव मजूमदार की प्रस्तुति ने बांधा शास्त्रीय संगीत का समां

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में स्पिक मैके के तत्वावधान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में भारतीय शास्त्रीय संगीत की मनोहारी प्रस्तुति ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और उनके परिजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित परिचय कार्यक्रम के बाद प्रसिद्ध सितार वादक और पंडित रवि शंकर के शिष्य पंडित गौरव मजूमदार ने सितार वादन किया। उन्होंने राग भूपाली और मिश्र पीलू प्रस्तुत किए। तबला वादक सुकांत कृष्ण ने प्रभावशाली संगत की। सितार और तबले की जुगलबंदी से परिसर में शास्त्रीय संगीत की जीवंत अनुभूति हुई। इससे पहले विद्यार्थियों को स्पिक मैके के उद्देश्य, दर्शन और गतिविधियों की जानकारी दी गई। भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, योग और ध्यान के माध्यम से युवाओं को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने पर चर्चा हुई।

पंडित मजूमदार ने विद्यार्थियों को रुचियों को जुनून, नियमित अभ्यास और गुरु के मार्गदर्शन से आगे बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने सितार के वैज्ञानिक पक्ष और संगीत-भौतिक विज्ञान के संबंध को भी समझाया। फिल्म संगीत में सितार के प्रयोग के उदाहरण प्रस्तुत किए। समापन पर कुलपति प्रो. अभिजीत मित्र ने दोनों कलाकारों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियां व्यक्तित्व विकास के लिए जरूरी हैं।

नेत्रदान के संदेश से गूंजा केडी मेडिकल कॉलेज परिसर

अतिथियों के साथ नुक्कड़ नाटक, रंगोली और आकर्षक पोस्टर बनाने वाले छात्र-छात्राएं।

छात्रों ने नुक्कड़ नाटक रंगोली से बताई आंखों की महत्ता

कुलपति बोले, नेत्रदान से किसी के जीवन में लौटेगी रोशनी

यूनिक समय, मथुरा। 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को नुक्कड़ नाटक, रंगोली और पोस्टरों के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने नाटक के जरिए नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए बताया कि मृत्यु के बाद आंखें दान करने से किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी लौटाई जा सकती है।

विद्यार्थियों ने आंखों की महत्ता दर्शाती रंगोलियां बनाईं और संदेशपरक पोस्टरों के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। नाटक में बताया गया कि मृत्यु के कुछ घंटों के भीतर नेत्रदान किया जा सकता है। नेत्रदान में केवल कॉर्निया लिया जाता है, जिससे चेहरे की बनावट प्रभावित नहीं होती। चश्मा लगाने वाले और मोतियाबिंद का ऑपरेशन करा चुके लोग भी नेत्रदान कर सकते हैं।

केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने विद्यार्थियों की रचनात्मक पहल की सराहना करते हुए कहा कि आंखें शरीर के महत्वपूर्ण संवेदी अंगों में हैं। मृत्यु के बाद नेत्रदान कर किसी दृष्टिहीन के जीवन में रोशनी लौटाई जा सकती है।

नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शिप्रा त्रिपाठी ने बताया कि पखवाड़े का उद्देश्य नेत्रदान से जुड़े अंधविश्वास और भ्रांतियां दूर करना है। उन्होंने बताया कि केडी हॉस्पिटल को अंग प्रत्यारोपण का लाइसेंस मिल चुका है, जिससे भविष्य में ब्रजवासियों को कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा मिल सकेगी। इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों और तीमारदारों को नेत्रदान की प्रक्रिया समझाकर संकल्प लेने की अपील की।

उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. वी.पी. पांडेय, डॉ. एसके बंसल, डॉ. प्रणीता जसवंत सिंह, उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण सिसोदिया, डॉ. सौरभ कुलकर्णी, डॉ. अमनजोत कौर चौहान, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. मनीषा शर्मा आदि ने उपचार और परामर्श के लिए पहुंचे मरीजों और उनके तीमारदारों को नेत्रदान की प्रक्रिया की जानकारी दी। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में नेत्र विभाग की डॉ. अंजली चौधरी, डॉ. अनुपमा पांडेय, डॉ. शिल्पा गुप्ता, डॉ. मनु, डॉ. प्रज्जोत, डॉ. सुरभि, डॉ. प्रगति, डॉ. मेधा, डॉ. सोनी, डॉ. अक्षत, डॉ. विष्णु, डॉ. नोवोना, डॉ. इतिशा, अखिलेश शुक्ला आदि का विशेष योगदान रहा।

महिला ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया की बिचपुरी चौकी पर एक महिला ने अपने पति के खिलाफ शराब पीकर मारपीट करने की शिकायत की है।

महिला ने अपने पति अंकुश पर आए दिन घर पर गाली गलोज कर मारपीट करने की शिकायत की है। महिला ने आरोप लगाया है कि पति के किसी दूसरी महिला से संबंध है। इसका विरोध करने पर वह मारपीट करता है। पुलिस महिला की शिकायत पर जांच कर रही है।

छह पालों की पंचायत में सामाजिक कुरीतियों पर रोक का फैसला

पाल पंचायत में बोलते कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण।

शादी में सोना और मृत्यु भोज पर रोक, पंचायत ने लिए कई अहम सामाजिक निर्णय

यूनिक समय, कोसीकलां। क्षेत्र में सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने और समाज में एकजुटता बढ़ाने को लेकर छह पालों के प्रतिनिधियों की पंचायत आयोजित हुई। पंचायत में शादी-विवाह सहित विभिन्न सामाजिक आयोजनों में होने वाले अनावश्यक खर्च पर रोक लगाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बुधवार को कोकिलावनधाम में आयोजित हुई पंचायत में लोहकापाल, हांडी पाल, जठेरा पाल, रावत पाल, बैनीवाल पाल और महलावत पाल से जुड़े लोगों की सहभागिता रही। बैठक में छह पालों के लोगों ने विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए उनका समर्थन किया। साथ ही गांव-गांव जाकर लोगों को जागरुक किया जाएगा। आगामी छह सितंबर को हरियाणा के मंदोकलां गांव में होने वाली 52 पाल की महापंचायत में शादी समारोह में दहेज, भात, छोछक, नशा खोरी आदि सामाजिक आयोजनों में फिजूल खर्च कम करने और कारज (मृत्युभोज) पर रोक लगाने जैसे प्रस्तावों पर कडे फैसले लेने की तैयारी की है। इसके अलावा समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखने और सामाजिक निर्णयों का पालन करने पर भी जोर दिया गया। पंचायत में अलग-अलग स्थानों से बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि महापंचायत का उद्देश्य केवल समस्याओं पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस सामाजिक व्यवस्था तैयार करना है। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा और फिजूल खर्च से कई परिवारों पर बोझ पडा है। पंचायत में लिए गए निर्णयों को समाज के हित में बताते हुए उपस्थित लोगों ने पंचायत का समर्थन किया।

सरकारी अस्पताल में प्रसूता से अवैध वसूली

सास ने लगाया आरोप गर्भवती बहू को लेकर पहुंची थी अस्पताल

बाहर से बुलाए व्यक्ति ने किया ब्लड टेस्ट मुफ्त योजना का नहीं मिला लाभ

खून जांच के नाम पर लिए सुविधा शुल्क

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सरकारी योजनाओं की खुलेआम अनदेखी हो रही है। अस्पताल में प्रसूता महिलाओं को मिलने वाली मुफ्त सुविधाओं के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है।

नगर के मौहल्ला नाडूवास निवासी सोनदेई ने बताया कि वह अपनी गर्भवती बहू दुर्गेश को लेकर शेरगढ रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चेकअप के लिए आई थी। महिला डॉक्टर ने खून की जांच लिखी, लेकिन अस्पताल में जांच करने के बजाय स्टाफ ने बाहर से एक निजी व्यक्ति को बुला लिया। उस व्यक्ति ने अस्पताल के अंदर ही गर्भवती महिला का खून का सैंपल लिया और जांच के नाम पर 200 रुपये वसूल लिए। पीड़ित सोनदेई का कहना है कि सरकार की ओर से गर्भवती महिलाओं के लिए सभी जांचें और दवाएं मुफ्त हैं, बावजूद इसके अस्पताल में पैसे लिए जा रहे हैं। गरीब परिवारों के लिए यह रकम बड़ी है और इससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल में यह गोरखधंधा लंबे समय से चल रहा है। प्रसूताओं को जननी सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने सीएमओ और उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर दोषी स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसपीएस इंटरनेशनल अकेडमी में चार को मनाई जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी होंगे रंगारंग कार्यक्रम

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के हाईवे स्थित एसपीएस इंटरनेशनल अकेडमी में चार सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। स्कूल प्रबंधन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

स्कूल प्रधानाचार्य राजेंद्र राव ने बताया कि जन्माष्टमी पर स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में मंच पर मनमोहक प्रस्तुति देंगे। कृष्ण लीलाओं पर आधारित नृत्य, नाटक और भजन का भी आयोजन किया जाएगा। बच्चों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी शिक्षाप्रद बातें भी बताई जाएंगी।

राम सेवा से बड़ा कोई सौभाग्य नहीं

श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने कहा-परिवार का रामलीला से नहीं, बल्कि मंच से भी गहरा नाता

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला संस्थान के नवनियुक्त अध्यक्ष गिर्राज चौधरी का पूर्व कार्यकारिणी के सदस्यों ने माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर नगर में खुशी की लहर है। इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने कहा कि मुझे राम जी की सेवा का मौका मिला है और मैं इस सेवा को बेहतर रूप से निभाऊंगा। राम जी की सेवा से बड़ा जीवन में कोई सौभाग्य नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि पूर्व में भी वह रामलीला संस्थान से जुड़े हैं, आगे भी जुड़े रहेंगे क्योंकि मेरे दादा-परदादा और पिताजी रामलीला संस्थान में कई वर्षों से जुड़े हुए हैं। मेरे पिताजी कई बार अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। गिर्राज चौधरी ने कहा कि मेरे परिवार का रामलीला से सिर्फ पद का ही नहीं, बल्कि मंच का भी गहरा नाता रहा है। रामलीला संस्थान में होने वाली रामलीला के मंचन के दौरान विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाई है, निभाते आ रहे हैं। यह हमारे परिवार के लिए प्रभु श्रीराम की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद और सभी बड़ों के सहयोग से मिली इस जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। सभी को साथ लेकर इस बार की रामलीला को और अधिक भव्य-दिव्य बनाया जाएगा। जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन कर तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी।

कुश्ती दंगल को लेकर तैयारियां जोरों पर, पहलवानों को भेजा न्यौता

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की कृषि अनाज मंडी में पांच सितंबर को होने वाले विशाल कुश्ती दंगल को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। आयोजक कमेटी ने दंगल को ऐतिहासिक बनाने के लिए कमर कस ली है।

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार का दंगल पिछले सभी वर्षों से अधिक भव्य होगा। दंगल में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब सहित अन्य राज्यों के सैकड़ों नामी पहलवानों को कुश्ती में आने का न्यौता भेजा गया है। कई नामी पहलवान अखाड़े में अपनी ताकत का लोहा मनवाएंगे। दंगल में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उनके साथ क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ समाजसेवी और गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे। मंत्री जी विजेता पहलवानों को अपने हाथों से पुरस्कृत करेंगे। विवेक चौधरी ने बताया कि कृषि अनाज मंडी परिसर में विशाल अखाड़ा तैयार किया जा रहा है। दर्शकों के बैठने के लिए टेंट और कुर्सियों की समुचित व्यवस्था की जा रही है। विजेता पहलवानों के लिए लाखों रुपये के नकद इनामों की घोषणा की गई है। फाइनल कुश्ती जीतने वाले पहलवान को सबसे बड़ा इनाम दिया जाएगा।

कोसी में जन्माष्टमी पर मीट मांस बिक्री पर पूर्ण पाबंदी

पालिका की सख्त चेतावनी खुली दुकान तो होगी सील

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर पालिका परिषद ने कड़ा निर्णय लिया है। नगर पालिका ने जन्माष्टमी के दिन नगर सीमा में मीट, मांस, मछली की बिक्री और कटान पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। पालिका प्रशासन ने इसे जनभावनाओं और ब्रज की पवित्रता से जुड़ा फैसला बताया है।

नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि कोसीकलां ब्रजमंडल का प्रवेश द्वार है और यहां से नंदगांव-बरसाना की सीमा शुरू होती है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन नगर में मांस-मछली की बिक्री किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह सनातन आस्था और ब्रज संस्कृति का अपमान है। आदेश का उल्लंघन करने पर दुकान को तत्काल सील कर भारी जुर्माना और एफआईआर तक की कार्रवाई की जाएगी। पालिका ने स्पष्ट किया है कि इस दिन नगर में विशेष सफाई और निगरानी टीम तैनात रहेगी। पुलिस के साथ संयुक्त टीम गली-मोहल्लों में गश्त करेगी।

औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री से बॉयलर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चोरी का माल बरामद

पुलिस हिरासत में बॉयलर चोरी करने वाला आरोपित।

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी गया बॉयलर भी बरामद कर लिया है।

कोटवन औद्योगिक क्षेत्र स्थित सत्यम डाइना कंपनी के प्लॉट नंबर 62 से एक सितंबर की रात बॉयलर चोरी हो गया था। कंपनी प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर कोटवन चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान ने बुधवार को जिन्दल फैक्ट्री एरिया में बैटरी फैक्ट्री के पास से आरोपी को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम चन्दन पुत्र कुंवर निवासी नंदगांव थाना बरसाना बताया है। पुलिस पूछताछ में उसने चोरी की वारदात को कबूल किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया बॉयलर बरामद कर उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

भव्य आयोजन में मना अग्रबंधु सेवा मंडल का नवम स्थापना दिवस

स्थापना दिवस पर संस्थापक चिराग अग्रवाल को सम्मानित करते पदाधिकारी।

भजन गायन के साथ हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

समाजसेवा और संगठन विस्तार का लिया गया संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रबंधु सेवा मंडल का नवम स्थापना दिवस मसानी रोड स्थित अग्रवाटिका में भजन गायन और सम्मान समारोह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह नौ बजे अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन का अभिषेक और पूजन कर हुई। अग्रवाटिका में आयोजित भजन गायन में मंडल के सदस्यों ने नृत्य कर आनंद लिया।

मंडल अध्यक्ष मयंक अग्रवाल ने बताया कि शुभारंभ संरक्षक जयंती प्रसाद अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, विजय बंटा सर्राफ, योगेंद्र गोयल और अनिल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कान्हा और नंद बाबा के स्वरूपों के साथ नंदोत्सव मनाया गया। खेल-खिलौने और प्रसाद वितरित किए गए। कार्यक्रम संयोजक रोहित अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष सोनू अग्रवाल ने बताया कि समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए ब्रजवासी ब्लड बैंक और सद्भावना ब्लड बैंक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंडल सदस्य गणेश अग्रवाल के पार्षद बनने और भूपेश अग्रवाल के राया अग्रवाल सभा अध्यक्ष बनने पर स्वागत किया गया।

पूर्व अध्यक्ष गौरांग सिंघल ने कहा कि समाजसेवा और युवाओं को मंच देने के उद्देश्य से संस्था की स्थापना करने वाले संस्थापक चिराग अग्रवाल को नौ वर्ष के सफल संचालन पर समिति ने शिल्पकार सम्मान से सम्मानित किया।

समापन पर चिराग अग्रवाल ने संस्था को प्रदेश स्तर पर विस्तार देने की घोषणा की। कार्यक्रम में विनय अग्रवाल, रोहित महावन, माधव गर्ग, प्रदीप अग्रवाल, अंकित गोयल, अनुराग सिंघल, राघव सिंघल, विष्णु गर्ग, शुभम अग्रवाल, योगेश द्विवेदी, पवन ठाकुर, सुभाष सिक्के वाले, अशोक बंसल, सुरेश चंद, विनोद अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, दिशा अग्रवाल, रूबी अग्रवाल, रजत गोयल आदि सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्रि पर होगा भव्य माता जागरण, विशाल जायसवाल बने अध्यक्ष

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामनगर सेवा समिति द्वारा शारदीय नवरात्रि पर आयोजित होने वाले भव्य-दिव्य माता जागरण को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

आयोजन को लेकर समिति की कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से विशाल जायसवाल को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। जय माता दी और जय श्री राम के जयघोष के साथ समिति ने उनका स्वागत किया।

समिति के सदस्यों ने कहा कि विशाल जायसवाल के कुशल नेतृत्व में इस वर्ष का जागरण और भी अधिक भव्य, दिव्य और यादगार होगा। मां भगवती के मधुर भजनों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठेगा। समिति ने नवनियुक्त अध्यक्ष को हार्दिक बधाई देते हुए उज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

सुविचार

गिरकर उठना सीखो क्योंकि असफलताएं ही सफलता की मजबूत नींव बनाती हैं।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	06:13-04:26 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	भरणी	02:42-01:43 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:09 AM	चन्द्रोदय	09:59 PM
सूर्यास्त		6:59 PM	चंद्रास्त	10:50 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:33-05:21
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:26 PM: 02:00 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

जन्माष्टमी पर कृष्ण को चढ़ाएं ये पांच चीजें, बरसेगी कृपा

जन्माष्टमी से पहले खरीदारी कर पूजा में इन्हें जरूर रखें

मान्यता है इन वस्तुओं से कान्हा शीघ्र प्रसन्न होते हैं

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस बार चार सितंबर को मनाया जाएगा। कान्हा के जन्मोत्सव को लेकर मंदिरों से लेकर घरों तक तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रद्धालु बाल गोपाल की पूजा के लिए पूजन सामग्री, वस्त्र और श्रृंगार का सामान खरीद रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण

को कुछ विशेष वस्तुएं अर्पित करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि इन वस्तुओं को श्रद्धापूर्वक अर्पित करने से घर में सुख–समृद्धि और सकारात्मकता का वास होता है।

चांदी की बांसुरी: भगवान कृष्ण की पहचान बांसुरी से जुड़ी है। जन्माष्टमी पर कान्हा को चांदी की छोटी बांसुरी अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजा के बाद इसे घर के मंदिर या तिजोरी में सुरक्षित रखने की मान्यता है। कहा जाता है कि इससे घर की नकारात्मकता दूर होती है।

पीले वस्त्र: श्रीकृष्ण को पीतांबर धारी कहा जाता है। इसलिए जन्माष्टमी पर उन्हें पीले रंग के वस्त्र पहनाने का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुसार कान्हा के लिए नए पीले वस्त्र खरीदकर पूजा के समय अर्पित कर सकते हैं।

वैजयंती माला: वैजयंती माला भगवान कृष्ण को अत्यंत प्रिय मानी जाती है। जन्माष्टमी से पहले इसे खरीदकर जन्मोत्सव की पूजा में कान्हा को पहनाने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे रुके हुए कार्य पूरे होने और ग्रहों की स्थिति अनुकूल होने की कामना की जाती है।

मोर पंख: मोर पंख का भगवान कृष्ण के श्रृंगार में विशेष स्थान है। जन्माष्टमी पर कान्हा के मुकुट में मोर पंख सजाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान कृष्ण प्रसन्न होते हैं और घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

दक्षिणावर्ती शंख: जन्माष्टमी पर दक्षिणावर्ती शंख घर लाना भी शुभ माना जाता है। इसमें गंगाजल भरकर भगवान कृष्ण का अभिषेक करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे नकारात्मकता दूर होती है और घर में सुख–शांति बनी रहती है।

ध्यान रखें: ये धार्मिक मान्यताएं हैं, इनके लाभों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। श्रद्धालु अपनी आस्था और सामर्थ्य के अनुसार ही पूजा करें।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, परिवार में प्रसन्नता रहेगी और रुके काम पूरे होंगे।

वृषभ: कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, व्यापार में लाभ होगा।

मिथुन: कल नए अवसर सामने आएंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा, धन लाभ के योग बनेंगे और परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा।

कर्क: कल भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में सावधानी जरूरी है, खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा।

सिंह: कल आपकी नेतृत्व क्षमता प्रभावी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे, आर्थिक लाभ मिलेगा।

कन्या: कल योजनाओं को गति मिलेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, व्यापार में लाभ होगा और मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: कल साझेदारी से लाभ मिल सकता है। पुराने विवाद सुलझेंगे, धन की स्थिति सुधरेगी और परिवार में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक: कल कार्यों में सफलता मिलेगी। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, आर्थिक लाभ होगा ।

धनु: कल भाग्य आपका साथ देगा। महत्वपूर्ण फैसलों में सफलता मिलेगी, यात्रा लाभदायक रहेगी और रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

मकर: कल मेहनत का फल मिलने लगेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: कल नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। नौकरी में अवसर मिलेंगे, व्यापार में फायदा होगा और किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

मीन: कल मानसिक शांति बनी रहेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, धन लाभ के अवसर आएंगे और पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

जन्माष्टमी पर बन रहा द्वापर युग जैसा दुर्लभ संयोग

अष्टमी तिथि संग रोहिणी नक्षत्र, वृषभ में रहेगा चंद्रमा

चार सितंबर की मध्यरात्रि में मनेगा कान्हा जन्मोत्सव

मध्यरात्रि में होगा कान्हा का जन्मोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार चार सितंबर को मनाई जाएगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस वर्ष जन्माष्टमी पर द्वापर युग के समय जैसा विशेष संयोग बन रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा की स्थिति बताई जाती है। इस बार भी अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा की स्थिति रहेगी। हालांकि उस समय बुधवार था, जबकि इस बार शुक्रवार है।

पंचांग के अनुसार चार सितंबर को भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि रात तक रहेगी। रोहिणी नक्षत्र भी रात 11 बजकर 04

मिनट तक रहने की बात कही गई है। चंद्रमा पूरे दिन वृषभ राशि में स्थित रहेगा। धार्मिक मान्यताओं में रोहिणी नक्षत्र को भगवान कृष्ण के जन्म से विशेष रूप से जोड़ा जाता है।

भगवान कृष्ण का जन्म मध्यरात्रि में हुआ था, इसलिए जन्माष्टमी पर निशीथ काल में पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस वर्ष जन्माष्टमी पूजा का समय रात 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट तक बताया गया है। इसी अवधि में श्रद्धालु भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाकर पूजा–अर्चना करेंगे। चार सितंबर को राहुकाल सुबह 10:45 से दोपहर 12:20 बजे तक और यमगंड दोपहर 3:30 से शाम 5:05 बजे तक रहेगा।

290 साल पुराना है जयपुर का लाडलीजी मंदिर

राधारानी आठ सखियों संग देती हैं भक्तों को दर्शन

मंदिर अपनी अनूठी परंपरा के लिए है प्रसिद्ध

यूनिक समय, जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर का करीब 290 वर्ष पुराना लाडलीजी मंदिर धार्मिक आस्था और अनूठी परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखता है। रामगंज बाजार में स्थित इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के साथ राधारानी अपनी आठ सखियों के संग विराजमान हैं। यही विशेषता इसे अन्य मंदिरों से अलग बनाती है।

बताया जाता है कि मंदिर की परंपरा जयपुर की बसावट के समय से जुड़ी है और इसकी धार्मिक परंपराओं पर वृंदावन की छाप दिखाई देती है। हवेली शैली में निर्मित मंदिर की

वास्तुकला भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। मंदिर के गर्भगृह में की गई नक्काशी और पारंपरिक सजावट इसकी प्राचीनता और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाती है।

लाडलीजी मंदिर में वर्षभर भक्तों का आना–जाना लगा रहता है, लेकिन जन्माष्टमी, राधाष्टमी और झूलनोत्सव के अवसर पर यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं।

इन पर्वों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु राधारानी और श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर की अनूठी परंपरा और प्राचीन स्वरूप भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है।

हनुमान मंदिर में टूटती हड्डियों के इलाज की अनोखी आस्था

यूनिक समय, कटनी। हनुमान जी को संकटमोचन कहा जाता है और देशभर में उनसे जुड़ी अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। मध्यप्रदेश के कटनी जिले के मुहांसा गांव स्थित हनुमान मंदिर की पहचान भी ऐसी ही अनोखी आस्था के कारण बनी हुई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मानना है कि हनुमान जी के आशीर्वाद और मंदिर में दी जाने वाली जड़ी–बूटी से हड्डी टूटने और जोड़ों के दर्द जैसी परेशानियों में राहत मिलती है। इसी वजह से लोग इसे स्थानीय स्तर पर 'ऑर्थोपेडिक हनुमान मंदिर' भी कहते हैं।

कटनी जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में

जोड़ों के दर्द से परेशान लोग मंदिर में पहुंचते हैं

मंगलवार, शनिवार को श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ती है

मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। कई लोग दर्द और चोट की परेशानी के साथ आते हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को कुछ समय तक सीताराम नाम का जाप करने के लिए कहा जाता है। इसके बाद मंदिर से जुड़ी परंपरा के अनुसार उन्हें पत्तियों और जड़ों से तैयार बताई जाने वाली औषधि दी जाती है।

मंदिर के पुजारियों के अनुसार, इस औषधि की परंपरा कई वर्षों पुरानी है। मान्यता है कि भगवान हनुमान के आशीर्वाद से लोगों को शारीरिक कष्टों में राहत मिलती है। मंदिर की प्रसिद्धि मध्यप्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, बिहार और दिल्ली तक पहुंचने का दावा किया जाता है।

मंदिर में आने वाले कई श्रद्धालु अपने अनुभव बताते हैं। कुछ लोग दुर्घटना में लगी चोट, पैर में दर्द या हाथ की समस्या के बाद यहां पहुंचने की बात कहते हैं। हालांकि हड्डी टूटने या गंभीर चोट की स्थिति में चिकित्सकीय जांच और उचित उपचार जरूरी है। मंदिर से जुड़ी औषधि या आस्था को चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भी विशेष आयोजन होते हैं। अखंड रामायण, सुंदरकांड और भंडारे का आयोजन किया जाता है। मंगलवार और शनिवार को यहां श्रद्धालुओं की भीड़ विशेष रूप से बढ़ जाती है। आस्था के कारण प्रसिद्ध यह मंदिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

सम्पादकीय

शराब का पैग था या मौत का पैग, व्यवस्था बताएगी

कहने को शराब का एक पैग था, लेकिन मौत इतनी तेज निकली कि जिंदगी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। बिहार से सामने आई कथित जहरीली शराब की घटना ने एक बार फिर उस व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है, जो हर हादसे के बाद जांच, कार्रवाई और सख्ती के पुराने वादे दोहराती है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार सवाल कागज पर नहीं, पोस्टमार्टम की मेज पर पड़ा है।

रिपोर्ट में पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक के हवाले से दावा किया गया है कि उन्होंने अपने दस साल के अनुभव में ऐसा मामला नहीं देखा। चिकित्सक के अनुसार मृतकों के शरीर से रासायनिक

पवन गौतम
संपादक

मिश्रण जैसी गंध महसूस हुई। मौत इतनी तेजी से होने की बात सामने आई कि शराब और साइनाइड जैसे जहरीले पदार्थ की तुलना तक की गई। अगर जांच में जहरीले रसायन की पुष्टि होती है तो यह केवल शराब से मौत का मामला नहीं रहेगा, बल्कि निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर विफलता का प्रश्न बनेगा।

व्यंग्य यह है कि शराबबंदी के नारों की आवाज जितनी तेज है, अवैध शराब का कारोबार उतनी ही खामोशी से चलता दिखाई देता है। सरकारें प्रतिबंध लगाती हैं, अधिकारी छापे मारते हैं, पुलिस कार्रवाई के आंकड़े जारी करती है और फिर भी कहीं न कहीं वही जहरीला कारोबार अपना रास्ता खोज लेता है। लगता है जैसे कानून किताब में बंद है और माफिया खुले मैदान में।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हर बड़ी त्रासदी के बाद जांच समिति बनती है। कुछ गिरफ्तारियां होती हैं। कुछ जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की खबर आती है। राजनीतिक बयान शुरू होते हैं और पीड़ित परिवारों के सामने मुआवजे की घोषणा रख दी जाती है। लेकिन असली सवाल वहीं खड़ा रहता है–जहर शराब की बोतल तक पहुंचा कैसे?

यदि किसी जहरीले पदार्थ के कारण लोग कुछ ही क्षणों में दम तोड़ते हैं तो यह केवल अपराधियों की करतूत नहीं, बल्कि उस पूरी निगरानी व्यवस्था की परीक्षा है जो शराब की एक बोतल के बाजार तक पहुंचने से पहले कई स्तरों पर मौजूद होने का दावा करती है।

अब जरूरत बयानबाजी की नहीं, जवाबदेही की है। जांच यह पता लगाए कि जहरीला पदार्थ क्या था, शराब कहां बनी, किसने बेची, किसकी निगरानी में यह कारोबार चलता रहा और सूचना मिलने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

क्योंकि मौत के बाद मुआवजा देना व्यवस्था की जिम्मेदारी का अंत नहीं है। असली जिम्मेदारी तो यह सुनिश्चित करना है कि अगला पैग किसी परिवार के लिए आखिरी पैग न बन जाए। शराब जहरीली थी या व्यवस्था, इसका जवाब जांच देगी; लेकिन सवाल दोनों पर बराबर है।

नजरिया

क्रिकेट जैसा जुनून बाकी खेलों में कब दिखेगा भारत में

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। देश के छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलकर खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहरा रहे हैं। निशानेबाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, तीरंदाजी और हॉकी जैसे खेलों में भारत ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। इसके बावजूद एक सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि क्रिकेट की लोकप्रियता और दूसरे खेलों की स्वीकार्यता के बीच अब भी बहुत बड़ा अंतर है। सवाल यह है कि जब प्रतिभा लगभग हर खेल में मौजूद है तो फिर दूसरे खेल क्रिकेट जैसी लोकप्रियता हासिल क्यों नहीं कर पा रहे?

दरअसल, समस्या केवल खेल प्रदर्शन की नहीं है। यह खेलों की प्रस्तुति, प्रचार, विपणन और खिलाड़ियों को सितारा बनाने की क्षमता से भी जुड़ी है। क्रिकेट ने वर्षों में ऐसी व्यवस्था विकसित की है, जिसमें खिलाड़ी के प्रदर्शन के साथ उसकी कहानी भी दर्शकों तक पहुंचती है। मैदान के बाहर उसका व्यक्तित्व, संघर्ष, मेहनत और सफलता लगातार चर्चा में रहती है। यही कारण है कि क्रिकेट के खिलाड़ी केवल खिलाड़ी नहीं रहते, वे करोड़ों लोगों के लिए परिचित चेहरे और प्रेरणा बन जाते हैं।

दूसरे खेलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है। कोई निशानेबाज विश्व प्रतियोगिता में पदक जीतता है, कोई पहलवान कठिन मुकाबला जीतकर देश का गौरव बढ़ाता है, कोई मुक्केबाज वर्षों की मेहनत के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करता है, लेकिन उसकी कहानी कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाती है। अगले बड़े आयोजन के साथ उसका नाम फिर सामने आता है। इस चक्र को बदलने की जरूरत है।

आगामी एशियाई खेल भारत के लिए बड़ा अवसर हैं। भारतीय दल से बड़ी संख्या में पदकों की उम्मीद की जा रही है। निशानेबाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, तीरंदाजी और हॉकी में देश के पास मजबूत दावेदार हैं। लेकिन इन खेलों की सफलता केवल पदकों की संख्या से तय नहीं होनी चाहिए। जरूरी यह भी है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ऐसी पहचान मिले, जिससे उनके खेल और संघर्ष से आम जनता लंबे समय तक जुड़ी रहे। निशानेबाजी को ही लें। भारतीय खिलाड़ी विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में लगातार अंतिम चरण तक पहुंच रहे हैं। तकनीकी क्षमता और प्रतिभा की कमी नहीं है। अब आवश्यकता मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन की है। यदि भारतीय निशानेबाज अंतिम मुकाबलों में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने लगें तो यह खेल देश के लिए पदकों का बड़ा आधार बन सकता है। बैडमिंटन में भारत ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। नई प्रतिभाएं सामने आई हैं और अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को गौरवान्वित किया है। महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उत्साह बढ़ाता है। इसके बावजूद इन खिलाड़ियों की लोकप्रियता उस स्तर तक नहीं पहुंची है, जहां उनकी हर प्रतियोगिता का इंतजार करोड़ों दर्शक करें। मुक्केबाजी, कुश्ती और तीरंदाजी में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। भारत के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें लंबे समय तक सुर्खियों में बनाए रखने वाली मजबूत व्यवस्था नहीं है। किसी खिलाड़ी की पहचान केवल उसके पदक से नहीं बनती। उसके पीछे छिपी कहानी, संघर्ष और व्यक्तित्व को भी सामने लाना पड़ता है। हॉकी भारत की गौरवशाली खेल परंपरा रही है। एक समय था जब भारतीय हॉकी का नाम दुनिया भर में सम्मान से लिया जाता था। आज भी खिलाड़ियों में क्षमता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बड़ी उपलब्धियों की जरूरत है। महिला हॉकी टीम ने प्रगति के संकेत दिए हैं और उससे उम्मीदें बढ़ी हैं। अब इन उम्मीदों को पदकों और निरंतर प्रदर्शन में बदलना होगा। टेनिस की स्थिति जरूर चिंता पैदा करती है। अंतरराष्ट्रीय एकल प्रतियोगिताओं में भारतीय उपस्थिति कमजोर हुई है। सबसे बड़ी चुनौती अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को

तैयार करने की है। प्रतिभा खोज, शुरुआती प्रशिक्षण और उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं का अनुभव देने की व्यवस्था मजबूत किए बिना विश्व स्तर के खिलाड़ी तैयार करना कठिन होगा। यही वह बिंदु है जहां क्रिकेट से सीखने की जरूरत है। क्रिकेट ने केवल अच्छे खिलाड़ी पैदा नहीं किए, बल्कि उनके लिए ऐसा पूरा वातावरण बनाया जिसमें खेल, खिलाड़ी, दर्शक, प्रसारण और बाजार एक–दूसरे से जुड़े। प्रतियोगिताओं को आकर्षक बनाया गया, खिलाड़ियों की पहचान विकसित की गई और उनके संघर्ष तथा सफलता की कहानियां लगातार लोगों तक पहुंचाई गईं। दूसरे खेलों को भी यही रास्ता अपनाना होगा। किसी युवा खिलाड़ी की यात्रा को केवल पदक जीतने वाले दिन से नहीं दिखाया जाना चाहिए। उसकी शुरुआत कहां से हुई, उसने किन कठिनाइयों का सामना किया, किसने उसे प्रेरित किया और सफलता तक पहुंचने के लिए उसने कितनी मेहनत की–इन सवालों के जवाब जनता तक पहुंचने चाहिए। जब लोग खिलाड़ी को जानेंगे, तभी उसके खेल से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे। खेल प्रशासन की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। विभिन्न खेल महासंघों को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर खिलाड़ियों के हित में साझा रणनीति बनानी होगी। प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, मानसिक तैयारी, चोट से बचाव, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और प्रचार–हर स्तर पर दीर्घकालीन योजना की जरूरत है। सरकार और निजी क्षेत्र को भी मिलकर खेलों के लिए बड़ा बाजार तैयार करना चाहिए। प्रायोजन केवल लोकप्रिय खिलाड़ियों तक सीमित न रहे। कंपनियां उभरती प्रतिभाओं को भी समर्थन दें। विद्यालयों और महाविद्यालयों में खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाले खिलाड़ियों को भी बड़े मंच और संसाधन मिलने चाहिए। पैरा–खेलों के खिलाड़ियों ने साबित किया है कि अवसर मिलने पर भारतीय प्रतिभा किसी सीमा को स्वीकार नहीं करती। उनके संघर्ष और सफलता को व्यापक पहचान मिलने से समाज में खेलों के प्रति नई सोच विकसित हुई है। इसी तरह दूसरे खेलों के खिलाड़ियों की कहानियों को भी जनमानस तक पहुंचाना होगा। भारत को क्रिकेट की नकल करने की जरूरत नहीं है। उसे क्रिकेट की उस कला से सीखना है, जिसने एक खेल को करोड़ों लोगों की भावनाओं से जोड़ दिया। हर खेल की अपनी विशेषता है और हर खिलाड़ी की अपनी कहानी। जरूरत केवल उन कहानियों को सही मंच देने की है। देश में खेलों का भविष्य केवल पदकों से तय नहीं होगा। यह इस बात से तय होगा कि कितने बच्चे क्रिकेट के अलावा दूसरे खेलों को भी अपने सपनों का रास्ता मानते हैं। जब निशानेबाज, मुक्केबाज, पहलवान, तीरंदाज, बैडमिंटन खिलाड़ी और हॉकी खिलाड़ी भी घर–घर पहचाने जाएंगे, तब भारत की खेल संस्कृति वास्तव में व्यापक होगी। प्रतिभा भारत के पास पहले से है। अब उसे पहचान, बाजार और लगातार समर्थन देने की जरूरत है।

विचार विंडो

जौहर पर बहस में इतिहास और आज दोनों समझने होंगे

राम कुमार शर्मा

इतिहास केवल घटनाओं का संग्रह नहीं होता, बल्कि वह अपने समय की परिस्थितियों, सामाजिक व्यवस्था और मानवीय विवशताओं को भी अपने भीतर समेटे रहता है। इसलिए इतिहास की किसी घटना पर आज के नजरिए से बहस करते समय उसके तत्कालीन संदर्भ को समझना बेहद जरूरी है। अभिनेत्री स्वरा भास्कर की पद्मावत के जौहर प्रसंग पर टिप्पणी के बाद छिड़ी बहस इसी गंभीर सवाल की ओर ध्यान खींचती है।

दिल्ली में आयोजित एक चर्चा के दौरान स्वरा भास्कर ने फिल्म पद्मावत के अंतिम दृश्य में जौहर का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि ऐसी प्रस्तुति आधुनिक दौर की यौन हिंसा पीड़ित महिलाओं पर किस तरह का प्रभाव डाल सकती है। उनका तर्क था कि किसी महिला के साथ यौन हिंसा होने के बाद उसका जीवन किसी भी स्थिति में कम मूल्यवान नहीं हो जाता। यह बात अपने मूल भाव में महत्वपूर्ण है। किसी भी पीड़िता को अपराध के बाद शर्म, अपराधबोध या सामाजिक बहिष्कार का सामना नहीं करना चाहिए। उसका जीवन और सम्मान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी अन्य व्यक्ति का।

लेकिन इस आधुनिक और मानवीय तर्क को इतिहास के जौहर प्रसंग पर लागू करते समय सावधानी जरूरी है। जौहर को केवल महिलाओं की "पवित्रता" और मृत्यु के बीच चुनाव के रूप में देखना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देना होगा। मध्यकालीन युद्धों की परिस्थितियां आज से पूरी तरह अलग थीं। युद्ध में पराजय के बाद महिलाओं के बंदी बनाए जाने, दासता और यौन हिंसा का भय वास्तविक था। ऐसे माहौल में जौहर को लेकर महिलाओं के निर्णयों को समझने के लिए उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

यही वह बिंदु है जहां स्वरा भास्कर की टिप्पणी के जवाब में उठे सवाल महत्वपूर्ण हो जाते हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस प्रसंग पर अपनी असहमति जताते हुए कहा कि युद्धकालीन परिस्थितियों में महिलाओं के सामने मौजूद विकल्पों को आज के सामान्य जीवन की परिस्थितियों से अलग करके देखना चाहिए। किसी ऐतिहासिक निर्णय से सहमत या असहमत होना अलग बात है, लेकिन उस निर्णय के पीछे मौजूद भय, असुरक्षा और परिस्थितियों को नजरअंदाज करना उचित नहीं हो सकता।

यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पद्मावत का जौहर प्रसंग पहले भी लंबे समय तक बहस का विषय रहा है। फिल्म की रिलीज

से पहले और बाद में इतिहास, साहित्य, कल्पना और स्त्री सम्मान को लेकर अनेक सवाल उठे थे। स्वरा भास्कर ने फिल्म के प्रदर्शन के बाद भी जौहर के चित्रण पर आपत्ति जताई थी। अब वर्षों बाद उनकी टिप्पणी ने उसी बहस को फिर सामने ला दिया है।

दरअसल, समस्या केवल यह नहीं है कि स्वरा ने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि इतिहास और वर्तमान के बीच संवाद की भाषा कैसी होनी चाहिए। आधुनिक समाज में आत्मदाह या आत्महत्या को किसी समस्या का समाधान बताना निश्चित रूप से उचित नहीं है। आज यदि कोई महिला यौन हिंसा की शिकार होती है तो समाज का कर्तव्य है कि उसे न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले। उसे यह महसूस नहीं कराया जाना चाहिए कि उसके साथ अपराध होने के बाद उसका जीवन समाप्त हो गया है। इस दृष्टि से स्वरा की चिंता को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

लेकिन दूसरी ओर, इतिहास की महिलाओं के फैसलों को केवल आधुनिक नैतिक कसौटी पर रखकर उनका मूल्यांकन करना भी उचित नहीं होगा। उस समय महिलाओं के पास आज जैसी कानूनी सुरक्षा, सामाजिक संस्थाएं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विकल्प नहीं थे। युद्ध और आक्रमण के दौरान परिस्थितियां अत्यंत भयावह हो सकती थीं। इसलिए जौहर को समझने के लिए उसकी त्रासदी को स्वीकार करना होगा, न कि उसे केवल एक विचारधारा या एकतरफा सामाजिक मानसिकता का परिणाम मान लेना होगा।

यहां एक और बात ध्यान देने योग्य है। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों के बयान का प्रभाव सामान्य वक्तव्यों से कहीं अधिक होता है। किसी संवेदनशील ऐतिहासिक विषय पर टिप्पणी करते समय शब्दों का चयन अत्यंत सावधानी से होना चाहिए। स्वरा ने बाद में स्पष्ट किया कि उन्होंने रानी पद्मावती या जौहर करने वाली महिलाओं को कायर नहीं कहा और उनकी बात का आशय आधुनिक यौन हिंसा पीड़िताओं के संदर्भ में था। यदि ऐसा है तो विवाद को उसी मूल आशय के आधार पर समझने की कोशिश होनी चाहिए। हालांकि यह भी उतना ही जरूरी है कि वक्ता ऐसी भाषा और उदाहरणों का इस्तेमाल करे, जिनका अर्थ आसानी से उलटा न निकाला जा सके।

इतिहास पर बहस होनी चाहिए, लेकिन वह बहस तथ्यों और संवेदनशीलता के साथ हो। न तो अतीत की हर घटना का अंध–महिमामंडन उचित है और न ही वर्तमान मूल्यों को आधार बनाकर अतीत के लोगों के निर्णयों को तुरंत गलत ठहरा देना। जौहर एक बेहद त्रासद ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसे समझने के लिए महिलाओं की पीड़ा, युद्ध की क्रूरता और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों–तीनों को साथ देखना होगा।

सबसे जरूरी यह है कि ऐसी बहस आज की महिलाओं के अधिकार और सम्मान को मजबूत करे। इतिहास से हमें यह सीखना चाहिए कि किसी भी महिला को ऐसी परिस्थितियों में न पहुंचने दिया जाए, जहां उसके सामने जीवन और सम्मान के बीच चुनाव की कल्पना ही करनी पड़े। आधुनिक भारत की जिम्मेदारी अतीत के फैसलों पर केवल बहस करना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है जहां हिंसा की शिकार महिला को सुरक्षा, न्याय और सम्मान मिले। इतिहास को समझने के लिए संवेदना चाहिए और वर्तमान को सुधारने के लिए विवेक। जौहर पर बहस तभी सार्थक होगी, जब दोनों साथ चलें।

कोर्ट ने दिया 100 करोड़ के मानहानि केस में बड़ा फैसला

धोनी को नहीं मिलेगा वीआईपी ट्रीटमेंट

मानहानि मामले में गवाही अब अदालत परिसर में होगी

वीडियो रिकॉर्डिंग पर भी अदालत ने तय किए नियम

धोनी की गवाही पर अदालत ने तय की व्यवस्था

तीन मांगों को मिली मंजूरी होगी वीडियो रिकॉर्डिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से जुड़े 100 करोड़ रुपये के मानहानि मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अदालत ने पूर्व आईपीएस अधिकारी जी. संपत कुमार की उस मांग को स्वीकार कर लिया है, जिसमें धोनी की गवाही किसी आलीशान होटल के बजाय अदालत परिसर या सरकारी भवन में दर्ज कराने की बात कही गई थी।

यह मामला 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग विवाद से जुड़ा है। धोनी ने वर्ष 2014 में संपत कुमार समेत कुछ लोगों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने अपने नाम को इस विवाद से जोड़ने पर 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की थी।

संपत कुमार की ओर से दलील दी गई कि धोनी एक चर्चित क्रिकेट खिलाड़ी हैं, लेकिन गवाही दर्ज कराने की प्रक्रिया में उन्हें विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। उनकी मांग थी कि बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग अदालत परिसर अथवा किसी सरकारी भवन में कराई जाए। अदालत ने इस मांग को मंजूर कर लिया।

अदालत ने संपत कुमार की तीन प्रमुख मांगों को स्वीकार किया है। पहली, धोनी का बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया की निगरानी के लिए न्यायिक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। दूसरी, पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी और बिना संपादन वाली प्रति संबंधित पक्षों तथा न्यायिक अधिकारी को उपलब्ध कराई जाएगी। तीसरी, धोनी की गवाही किसी आलीशान होटल के बजाय अदालत परिसर या सरकारी भवन में दर्ज होगी।

मामले की सुनवाई के दौरान संपत कुमार के वकीलों ने उच्चतम न्यायालय के एक पुराने मामले का उदाहरण भी दिया। आदेश के बाद धोनी को इन आवेदनों पर अपना पक्ष रखने और शपथपत्र दाखिल करने का अवसर मिलेगा। इस फैसले ने लंबे समय से चले आ रहे मानहानि विवाद को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

अपनों को दें घर बैठे
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
• शोक संदेश • पुण्यतिथि • उठावनी
साइज-8x10 मात्र-₹ 1000/-* (कलर)
अब डिजीटल अपनाओ
मोबाइल से घर बैठे बुक कराओ
कॉल करें-9837115157

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर कल बीसीसीआई करेगी समीक्षा बैठक

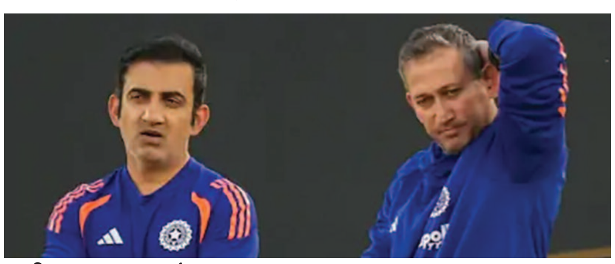

गंभीर, अगरकर और लक्ष्मण मुंबई बैठक में शामिल

2027 विश्व कप की तैयारियों पर बनेगी रणनीति

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरों पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने समीक्षा बैठक बुलाई है। गुरुवार को मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होने वाली बैठक में मुख्य कोच गौतम गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण शामिल होंगे।

बैठक में विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की चोट, उनकी फिटनेस और इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान बढ़ने वाले कार्यभार को लेकर भी मंथन किया जाएगा।

टीम प्रबंधन, चयन समिति और उत्कृष्टता केंद्र के बीच बेहतर तालमेल का मुद्दा भी बैठक में उठ सकता है। जसप्रीत बुमराह समेत कई खिलाड़ियों की फिटनेस संबंधी जानकारी समय पर चयन समिति तक नहीं पहुंचने की बात सामने आई थी। इसके अलावा हार्दिक पांड्या की फिटनेस और तेज गेंदबाजों को लंबे समय तक चोट से बचाए रखने की रणनीति पर भी चर्चा होगी। अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए चुने गए चार खिलाड़ियों की नौ सितंबर को फिटनेस जांच होनी है।

दिशा सालियान मौत की जांच अब सीबीआई के हवाले

हाईकोर्ट के आदेश से मामले में आया नया मोड़

पिता की याचिका पर वरिष्ठ अधिकारी करेंगे जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की मौत की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो करेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को दिशा के पिता सतीश सालियान की याचिका पर सुनवाई करते हुए जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया। सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी को मामले की जिम्मेदारी दी जाएगी।

दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद हुई थी। घटना के छह दिन बाद सुशांत सिंह राजपूत भी मृत मिले थे। शुरुआती जांच कुछ महीनों में बंद कर दी गई थी, लेकिन 2023 में मामले को दोबारा खोला गया।

हाईकोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान, पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट जैसे पहलुओं पर सवाल उठाए। हत्या के आरोपों की भी जांच होगी।

दिशा के पिता ने मामले को दबाने का आरोप लगाया था। अदालत के आदेश के बाद उन्होंने कहा कि छह साल से फैसले का इंतजार था और अब राहत महसूस हो रही है।

एक रुपये से की थी शुरूआत, अभिनेत्री साधना ने रचा था फिल्मी इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री साधना शिवदासानी ने अपने अभिनय, खूबसूरती और खास अंदाज से दर्शकों के दिलों पर लंबे समय तक राज किया। उनका फिल्मी सफर महज एक रुपये की फीस से शुरू हुआ था, लेकिन आगे चलकर वह बड़े सितारों में शामिल हो गईं।

साधना का जन्म 2 सितंबर 1941 को कराची में हुआ था। बंटवारे के बाद उनका परिवार मुंबई आ गया। करीब 14 साल की उम्र में वह फिल्म 'श्री 420' के एक गीत में पृष्ठभूमि कलाकार के रूप में दिखाई दी थीं। 1958 में आई सिंधी फिल्म 'अबाना' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की और इसके लिए उन्हें केवल एक रुपये मिले। 1960 में आई 'लव इन शिमला' ने उनकी किस्मत बदल दी। फिल्म में उनका आगे से कटे बालों वाला अंदाज इतना लोकप्रिय हुआ कि वह 'साधना कट' के नाम से मशहूर हो गया। चूड़ीदार सलवार-सूट को लोकप्रिय बनाने में भी उनका बड़ा योगदान माना जाता है।

'साधना कट' ने बदला रूप, घर-घर में छाया

शोहरत के बाद आखिरी दौर में झेला अकेलापन

साधना ने करीब 30 फिल्मों में काम किया। बाद में बीमारी और पति आरके नय्यर के निधन ने उनकी जिंदगी मुश्किल कर दी। अंतिम वर्षों में वह आर्थिक परेशानी और अकेलेपन से जूझती रहीं। 25 दिसंबर 2015 को मुंबई में उनका निधन हो गया।

वैभव बनेंगे नंबर वन ओपनर, संजू होंगे उनके जोड़ीदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में नई सलामी जोड़ी के साथ उतर सकती है। 13 सितंबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया है।

हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सिर्फ 42 गेंदों में अर्धशतक लगाकर 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने वाले वैभव को पारी की शुरुआत करने का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल उनके साथ पारी की शुरुआत करने वाले बल्लेबाज को लेकर है। टीम प्रबंधन के सामने बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संतुलन बनाने की चुनौती है। ऐसे में संजू सैमसन का दावा सबसे मजबूत नजर आ रहा है।

संजू सैमसन दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ इंडियन प्रीमियर लीग में भी लंबा अनुभव रखते हैं। वैभव बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज हैं। ऐसे में दोनों की जोड़ी विरोधी गेंदबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। पावरप्ले में बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन गेंदबाजों की रणनीति बिगाड़ने में भी मददगार माना जाता है।

इसके अलावा वैभव अभी महज 15 साल के हैं। ऐसे में संजू का अनुभव उनके लिए काफी उपयोगी हो सकता है। अनुभवी बल्लेबाज के साथ खेलने से वैभव को दबाव कम करने और अपनी आक्रामक शैली में बल्लेबाजी करने का मौका मिल सकता है।यदि वैभव और संजू सलामी जोड़ी के रूप में उतरते हैं तो अभिषेक शर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ नई सलामी जोड़ी दिखना लगभग तय

अभिषेक शर्मा की जगह पर मंडरा रहा है संकट

अभिषेक भी बाएं हाथ के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। टीम में मध्य क्रम के लिए श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा और ईशान किशन जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में संजू को ऊपर भेजकर टीम संयोजन बेहतर बनाने की कोशिश हो सकती है।

अफगानिस्तान के खिलाफ यह प्रयोग सफल रहता है तो भारत को भविष्य के लिए एक युवा और अनुभवी सलामी जोड़ी मिल सकती है। एशियाई खेलों को देखते हुए भी यह श्रृंखला टीम के लिए अहम मानी जा रही है।

नेपाल की बाढ़ में सोनू सूद बने जरूरतमंदों का सहारा

यूनिक समय, काठमांडू। नेपाल में भीषण बाढ़ से मची तबाही के बीच अभिनेता सोनू सूद मदद के लिए आगे आए हैं। वह भारत से राहत सामग्री लेकर काठमांडू पहुंचे और बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उनकी टीम ने जरूरतमंदों को भोजन, कंबल और अन्य आवश्यक सामान बांटा।

सोनू सूद ने बताया कि उनकी टीम प्रभावित लोगों की वास्तविक जरूरतों का पता लगा रही है, ताकि आगे भी जरूरी सामग्री भारत से भेजी जा सके। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। अभिनेता ने यह भी कहा कि राहत कार्य केवल कुछ दिनों तक सीमित नहीं रहेगा। उनकी टीम आने वाले महीनों में भी प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने की कोशिश करेगी।

भारत से राहत सामग्री लेकर काठमांडू पहुंचे अभिनेता

नेपाल में आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। कई परिवार बेघर हुए हैं और बड़ी संख्या में लोग अब भी मुश्किल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ बने एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बुधवार को महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया। अयोध्या की मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपालदास की अध्यक्षता में हुई ट्रस्ट की बैठक में उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। बैठक में ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारी और आमंत्रित सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति को राम मंदिर की व्यवस्थाओं के विस्तार और संचालन को अधिक व्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले मुख्य कार्यपालक अधिकारी के चयन के लिए गठित खोज समिति ने अपनी रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी थी। इसके आधार पर बुधवार को अंतिम निर्णय लिया गया।

बैठक में ट्रस्ट के तीन नए सदस्यों के नाम की घोषणा भी की गई। इनमें अयोध्या के वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के महेश भागचंदका और अयोध्या की निर्मला यादव शामिल हैं। निर्मला यादव को ट्रस्ट की नई महिला सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। ट्रस्ट की बैठक में अध्यक्ष महंत नृत्यगोपालदास, कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि, अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन, महंत दिनेंद्रदास सहित अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा और केंद्र तथा प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों की भी बैठक में मौजूदगी रही।

एयर मार्शल संभालेंगे ट्रस्ट की नई जिम्मेदारी

तीन नए सदस्य भी बने बैठक में हुआ फैसला

ट्रस्ट के स्थायी सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता के. परासरन, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, जगद्गुरु मध्वाचार्य स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ और युगपुरुष परमानंद जी महाराज सहित अन्य संत शामिल हैं।

जितेंद्र मिश्रा की नियुक्ति के साथ अब राम मंदिर ट्रस्ट के प्रशासनिक संचालन में नई व्यवस्था लागू होने की उम्मीद है। बैठक में ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों और आगामी कार्ययोजनाओं से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई।

बीएसएफ परीक्षा में बवाल, पेपर लीक के आरोप से मचा हंगामा

यूनिक समय, कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के श्याम नगर स्थित एमडी इन्फोटेक परीक्षा केंद्र पर बुधवार को बीएसएफ कांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) भर्ती परीक्षा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। परीक्षा में तकनीकी अव्यवस्था और कथित पेपर लीक के आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने केंद्र पर तोड़फोड़ शुरू कर दी। हालात बिगड़ने पर कई थानों की पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा।

अभ्यर्थियों के अनुसार, पहली पाली की परीक्षा शुरू होने के बाद करीब 40 मिनट तक कंप्यूटर प्रणाली बंद रही। इसके बाद व्यवस्था चालू हुई तो कई कंप्यूटरों में कीबोर्ड और माउस काम नहीं कर रहे थे। केवल सीपीयू चालू होने की बात कही गई। परीक्षा कक्ष में बिजली की समस्या के कारण पंखे भी बंद रहे। बारिश और उमस के बीच परेशान अभ्यर्थियों ने केंद्र संचालकों से शिकायत की, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनका आक्रोश बढ़ गया।

मुंबई से परीक्षा देने पहुंची अभ्यर्थी शालिनी बागुन ने केंद्र पर बिना जांच के प्रवेश देने का भी आरोप लगाया। इसके बाद कुछ अभ्यर्थियों ने कंप्यूटर, कीबोर्ड और अन्य सामान तोड़ दिया। करीब चार घंटे तक चले हंगामे के बीच प्रशासन और बीएसएफ अधिकारियों ने स्थिति संभालने का प्रयास किया।

तकनीकी खराबी से नाराज अभ्यर्थियों ने केंद्र में की तोड़फोड़

पुलिस और अधिकारियों के पहुंचने पर चार घंटे बाद शांत हुआ विवाद

प्रदर्शन को देखते हुए एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह, एसीपी चकेरी आशुतोष कुमार सिंह सहित चकेरी, कैंट, जाजमऊ नौबस्ता और रेलबाजार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। अभ्यर्थी परीक्षा की नई तारीख आधिकारिक रूप से घोषित किए जाने की मांग पर अड़े रहे।

बढ़ते तनाव के बीच पुलिस कमिश्नर ने बीएसएफ के एडीजी मकरंद देवेशकर से बातचीत की। इसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अब यह परीक्षा 18 सितंबर को आयोजित की जाएगी। एसीएम–2 कैंट शिखा शुक्ला ने केंद्र की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजने और लापरवाही मिलने पर केंद्र को काली सूची में डालने की बात कही। राजस्थान और जयपुर के कुछ केंद्रों पर भी गड़बड़ी की शिकायतें सामने आने की जानकारी है।

भाजपा विधायक अनिल शर्मा का दिल्ली में निधन, लंबे समय से थे बीमार

यूनिक समय, बुलंदशहर। शिकारपुर से भाजपा विधायक अनिल शर्मा का बुधवार दोपहर दिल्ली के निजी अस्पताल में निधन हो गया। 63 वर्षीय शर्मा वर्ष 2023 से कैंसर से जूझ रहे थे और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा था। वह चार बार विधायक रहे। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में उन्होंने वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक के बेटे कुश शर्मा से फोन पर बातचीत कर संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में परिवार हिम्मत रखे, सरकार और पार्टी उनके साथ है। मुख्यमंत्री ने अंतिम संस्कार के बारे में भी जानकारी ली। बेटे ने बताया

योगी ने बेटे से फोन पर बात कर जताई गहरी संवेदना

कि अस्पताल से छुट्टी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम संस्कार गुरुवार को किया जाएगा। अनिल शर्मा ने राजनीतिक सफर ग्राम प्रधान के चुनाव से शुरू किया था। वर्ष 2002 और 2007 में खुर्जा से बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए। वर्ष 2017 में भाजपा के टिकट पर शिकारपुर से जीते और मंत्री बने। 2022 में उन्होंने फिर जीत दर्ज की। उनके निधन पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई नेताओं ने शोक जताया।

प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाला इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

एत्मादपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान मारपीट का वीडियो हुआ था प्रसारित

डीसीपी ने विभागीय जांच के आदेश दिए, आगे कार्रवाई तय होगी

यूनिक समय, आगरा। एत्मादपुर तहसील में यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। डीसीपी पश्चिम आदित्य कुमार ने इंस्पेक्टर क्राइम जेपी तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कराई गई है।

मंगलवार को सवर्ण समाज और करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने युवकों को दौड़ाकर लाठियों से पीटा। घटना में कई प्रदर्शनकारियों के चोटिल होने की बात सामने आई। इसका वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद मामला गरमा गया। वीडियो में इंस्पेक्टर हाथ में लाठी लेकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद संगठनों ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इंस्पेक्टर को निलंबित करने की मांग की। डीसीपी पश्चिम ने मामले का संज्ञान लेकर प्रथम दृष्टया इंस्पेक्टर का आचरण अनुचित पाया। इसके बाद उन्हें लाइन हाजिर कर विभागीय जांच के निर्देश दिए गए।

उधर, संगठनों ने पांच सितंबर को एमजी रोड स्थित शहीद स्मारक पर सत्याग्रह का ऐलान किया है। उनका कहना है कि केवल लाइन हाजिर करना पर्याप्त नहीं है।

नोएडा मजदूर प्रदर्शन मामले में आकृति को हाईकोर्ट से राहत

यूनिक समय, प्रयागराज। नोएडा में मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन के मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने बुधवार को उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जारी हिरासत आदेश रद्द कर दिया। साथ ही पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह राशि नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम के वेतन से दिए जाने की बात कही गई है।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की पीठ ने कहा कि आकृति की हिरासत राज्य सरकार की ओर से पेश की गई मनगढ़ंत कहानी पर आधारित प्रतीत होती है। अदालत ने निर्देश दिया है कि यदि किसी अन्य मामले में उनकी गिरफ्तारी आवश्यक नहीं है तो उन्हें तत्काल रिहा किया जाए।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत का आदेश अदालत ने किया रद्द

जिलाधिकारी के वेतन से पांच लाख मुआवजा देने का आदेश

मामला 13 अप्रैल को नोएडा में हुए मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन से जुड़ा है। सरकार ने आकृति पर मजदूरों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने गिरफ्तारी और नोटिस की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। पीठ ने पूछा कि यदि हिंसा 13 अप्रैल को हुई, तो उससे पहले आकृति की गिरफ्तारी किस आधार पर की गई। अदालत ने संबंधित अभिलेखों और कार्रवाई की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए।

अजय राय ने योगी के खिलाफ दाखिल किया मानहानि परिवाद

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल किया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अदालत में दायर परिवाद में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। मामले की पहली सुनवाई 25 सितंबर को निर्धारित की गई है।

अजय राय के अधिवक्ता संजीव पांडेय की ओर से दाखिल परिवाद के मुताबिक, 23 अगस्त को अयोध्या में कांग्रेस नेता राम निहाल निषाद की ओर से निषाद समाज का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें अजय राय को संबोधन के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के बाद समाज की परंपरा

के अनुसार मत्स्य भोज हुआ। इस दौरान अजय राय की मौजूदगी और लोगों के भोजन करते हुए कुछ चित्र प्रसारित हुए। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि इन्हीं चित्रों को आधार बनाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 अगस्त को रायबरेली की जनसभा में अजय राय को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। शिकायत के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उनके धार्मिक आस्था संबंधी व्यवहार पर सवाल उठाते हुए मछली की दावत और मंदिर में दर्शन को लेकर टिप्पणी की थी। बाद में जनसभा का वीडियो मुख्यमंत्री के आधिकारिक अथवा व्यक्तिगत सामाजिक माध्यम खाते से भी प्रसारित हुआ। अजय राय ने परिवाद में कहा है कि वह सनातन धर्म में आस्था रखते हैं और मांस–मछली से उनका कोई संबंध नहीं है।

उनका आरोप है कि बिना प्रत्यक्ष प्रमाण के की गई टिप्पणी से उनकी सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई। उन्होंने दावा किया कि बयान समाचार माध्यमों और सामाजिक

रायबरेली सभा के बयान को बनाया शिकायत का मुख्य आधार

25 सितंबर को अदालत में होगी मामले की पहली सुनवाई

माध्यमों पर व्यापक रूप से प्रसारित होने से उनकी छवि को नुकसान पहुंचा तथा उन्हें मानसिक और सामाजिक आघात भी झेलना पड़ा।

अदालत से उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानि का मुकदमा चलाने और मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

चोरी आरोपी के घर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बनाया बंधक

यूनिक समय, अलीगढ़। चोरी के मामले में जेल में बंद आरोपी को रिमांड पर लेकर सामान बरामद करने पहुंची पुलिस टीम को उसके परिजनों ने घर में ही रोक लिया। बुधवार सुबह इंस्पेक्टर दो सिपाहियों के साथ आरोपी के घर पहुंचे थे। पुलिस टीम आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद करने के लिए घर की तलाशी ले रही थी। इसी दौरान परिजनों ने पुलिसकर्मियों को घर के अंदर बंधक बना लिया। घटना की सूचना मिलने पर थाने से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इंस्पेक्टर व दोनों सिपाहियों को बाहर निकाला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है।

नेपाल त्रासदी पर पीएम बोले, भारत ने समय पर बढ़ाया मदद का हाथ

संसद में नायडू ने भारत और चीन को दिया धन्यवाद

बाढ़ में 1127 मौतें 4858 लोग अब भी लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बुधवार को संसद में राहत और बचाव अभियान की जानकारी देते हुए भारत और चीन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों ने संकट की घड़ी में समय पर जरूरी सहायता पहुंचाई।

शाह के अनुसार, भारत ने राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी है। भारतीय विशेष बचाव दल सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश और मृतकों की पहचान में सहयोग कर रहा है। भारत अब तक पांच खेपों में बड़ी मात्रा में राहत सामग्री, दवाइयां, खाद्य सामग्री और बचाव उपकरण भेज चुका है।

नेपाल में बाढ़ से अब तक 1127 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4858 लोग लापता बताए जा रहे हैं। कई जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले कर्मचारी भी लापता हैं। आशंका है कि कुछ लोग अब भी सुरंगों में फंसे हो सकते हैं। अमेरिका की 13 सदस्यीय बचाव टीम भी तलाश अभियान में सहयोग के लिए नेपाल पहुंची है।

बाढ़ के बाद शवों की पहचान बड़ी चुनौती बन गई है। कई अज्ञात शवों को जलाने के बजाय दफनाया जा रहा है, ताकि उनके अवशेष सुरक्षित रहें और डीएनए जांच के जरिए पहचान की जा सके। अब तक 95 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं।

इस बीच चितवन में नारायणी और त्रिशूली नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। सुन कोशी, बूढ़ी गंडकी और महाकाली नदियां भी चेतावनी स्तर से ऊपर हैं। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

बाढ़ के मलबे में चार दिन दबे पांच वर्षीय बच्चे को जीवित बचाया गया। राहत अभियान के बीच यह घटना लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनी है।

नेपाल में अपनों की आस टूटी पुतलों का किया अंतिम संस्कार

मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, हजारों लोग अब भी लापता

अज्ञात शवों की पहचान में मुश्किल, परिजनों ने अपनाई प्रतीकात्मक विधि

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के एक सप्ताह बाद भी तबाही का मंजर कायम है। मृतकों की संख्या 1127 पहुंच गई है, जबकि चार हजार से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। लगातार समय बीतने के साथ लापता लोगों के परिजनों की उम्मीद कमजोर पड़ती जा रही है। ऐसे में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को मृत मानकर उनके पुतले बनाकर प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार शुरू कर दिया है।

परिजनों का कहना है कि इस धार्मिक परंपरा के माध्यम से वे अपने प्रियजनों की आत्मा की शांति की कामना कर रहे हैं। दूसरी ओर, कई अज्ञात शवों की पहचान नहीं हो पा रही है। मुर्दाघरों में जगह कम पड़ने के कारण डीएनए नमूने लेकर अज्ञात शवों को दफनाया जा रहा है।

हिंदू परिवारों में शवों को दफनाए जाने को लेकर नाराजगी भी सामने आई है। हालांकि बचावकर्मी अब भी मलबे और कीचड़ में जीवित लोगों की तलाश कर रहे हैं। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटे हैं।

बेंगलुरु में मां पर जुड़वा बच्चियों की हत्या का आरोप

चार महीने की बच्चियों की मौत से मचा इलाके में हड़कंप

मां ने खुदकुशी की कोशिश की, पति ने बचाया उसे

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में चार महीने की जुड़वा बच्चियों की संदिग्ध मौत के मामले में उनकी मां के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना एक सितंबर को वजारहल्ली स्थित घर में हुई। बच्चियों की मां उमा देवी पर दोनों की हत्या करने के बाद खुदकुशी का प्रयास करने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक, उमा देवी और उनके पति रामलिंगप्पा ने संतान के लिए आईवीएफ उपचार कराया था। पांच मई को उमा ने जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया। पति के अनुसार, करीब डेढ़ महीने बाद उमा का बच्चों से लगाव कम हो गया था और वह उन्हें आश्रम भेजने की बात कहती थीं।

परिवार ने उनका मानसिक स्वास्थ्य उपचार भी कराया था। घटना वाले दिन रामलिंगप्पा ने कमरे में उमा को फंदे से लटका पाया और उन्हें बचा लिया। वहीं, दोनों बच्चियां मृत मिलीं। चिकित्सकों ने उनके डूबने से मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका ने फिर ईरान पर किया मिसाइल हमला, बढ़ा तनाव

ईरान का दावा, हमलों में बारह लोगों की मौत हुई

जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात ईरान के सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास में मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान के अनुसार, इन हमलों में 12 लोगों की मौत हुई और 68 लोग घायल हुए हैं।

ईरान ने दावा किया कि सिरिक में शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिरने से पांच लोगों की मौत हुई, जिनमें चार साल का बच्चा भी शामिल है। खुजस्तान में सात लोगों की मौत और आठ लोगों के घायल होने की बात कही गई है। अमेरिका का कहना है कि उसके हमलों में केवल ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कार्रवाई का दावा किया है। इससे क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने की आशंका गहरा गई है।

इससे पहले 30 अगस्त को अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास लारक द्वीप पर दो ईरानी रॉकेट प्रक्षेपकों को निशाना बनाया था। रूस से ईरान को मिसाइल तकनीक मिलने की रिपोर्ट ने भी तनाव बढ़ा दिया है।

आंध्र प्रदेश में बनेंगे पांच हजार नए मंदिर

28 जिलों से मिले 4,192 प्रस्ताव, 967 मंदिर बनकर तैयार

एक हजार प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार पर भी जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में पांच हजार नए मंदिरों के निर्माण की योजना को गति देने के लिए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। उन्होंने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम और धर्मादा विभाग से मंदिरों के लिए जमीन और स्थान जल्द तय करने को कहा है।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्य के 28 जिलों के 161 विधानसभा क्षेत्रों से अब तक 4,192 मंदिरों के प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 967 मंदिरों का निर्माण पूरा हो चुका है। मंदिरों के लिए अनुसूचित जाति-जनजाति, मछुआरा और कमजोर वर्गों की बस्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

नायडू ने नए मंदिरों में स्वयंसेवकों की सेवाएं लेने और पुजारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने श्रीवाणी ट्रस्ट की राशि धार्मिक कार्यों में लगाने का सुझाव भी दिया।

इसके अलावा राज्य के एक हजार प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार और शिव मंदिरों व शक्तिपीठों के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

शक्ति शर्मा ने एयर वाइस मार्शल बनकर रचा इतिहास

गैरचिकित्सा शाखा से पहुंचीं दो सितारा रैंक

तीन दशक की सेवा के बाद मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

शिक्षा शाखा से शुरू हुआ सफर अब वरिष्ठ नेतृत्व तक पहुंचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा ने गैरचिकित्सा क्षेत्र से इस दो सितारा रैंक तक पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी बनकर नया इतिहास रचा है। उनकी उपलब्धि सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व के बदलते स्वरूप को दर्शाती है।

शक्ति शर्मा को 18 जून 1994 को वायुसेना की शिक्षा शाखा में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। तीन दशक से अधिक के सेवाकाल में उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों, क्षेत्रीय केंद्रों, कमान मुख्यालयों और वायुसेना मुख्यालय में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। एक सितंबर को उन्होंने वायुसेना मुख्यालय में शिक्षा से जुड़े सहायक प्रमुख का पदभार संभाला।

अपने सेवाकाल में शक्ति शर्मा ने शिक्षा और रक्षा क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ाने वाली कई पहलों का नेतृत्व किया। उन्होंने कानपुर और पुणे के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में वायुसेना से संबंधित उत्कृष्टता केंद्र स्थापित कराने में भूमिका निभाई। वह तीनों सेनाओं से जुड़े सैनिक विद्यालय की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी भी रही हैं। एयर वाइस मार्शल वायुसेना की दो सितारा रैंक है। सेना में इसके समकक्ष मेजर जनरल और नौसेना में रियर एडमिरल का पद होता है। इस स्तर पर अधिकारी महत्वपूर्ण संस्थानों, विभागों और वरिष्ठ प्रशासनिक जिम्मेदारियों का नेतृत्व करते हैं।

शक्ति शर्मा की उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि इससे पहले महिला अधिकारियों ने इस स्तर तक मुख्य रूप से चिकित्सा और नर्सिंग सेवाओं के माध्यम से पहुंच बनाई थी। वायुसेना की चिकित्सा शाखा की बंदोपाध्याय 2002 में पहली महिला एयर वाइस मार्शल बनी थीं।

महिलाओं को स्थायी कमीशन मिलने के बाद वरिष्ठ पदों तक पहुंचने के अवसर भी बढ़े। उच्चतम न्यायालय के 2020 के महत्वपूर्ण फैसलों ने सेना और नौसेना में महिला अधिकारियों को समान अवसर देने की दिशा मजबूत की।

आज महिलाएं वायुसेना में शिक्षा, प्रशिक्षण, संचालन, उड़ान और नेतृत्व सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रही हैं। शक्ति शर्मा की पदोन्नति इसी बदलती तस्वीर की महत्वपूर्ण मिसाल है।

ज्वार पीछे हटा तो समुद्र से निकला पुराना मंदिर

मिट्टी में दबा गंगादेवी मंदिर फिर दिखाई दिया

कभी यहां बसी थी पूरी आबादी, समुद्र में समाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के गंजाम जिले के पुराने पोड़मपेटा समुद्र तट पर इन दिनों एक मंदिर लोगों के कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। समुद्र का ज्वार पीछे हटने के बाद मिट्टी में दबे गंगादेवी मंदिर के शिखर का कुछ हिस्सा फिर दिखाई देने लगा है।

बताया जा रहा है कि यह मंदिर करीब 20 से 25 वर्ष पुराना है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, मंदिर पूरी तरह स्थापित और प्रतिष्ठित होने से पहले ही समुद्र में समा गया था। समुद्र के लगातार आगे बढ़ने से आसपास की बस्ती भी धीरे-धीरे इसकी चपेट में आती गई। एक समय पोड़मपेटा क्षेत्र में बड़ी आबादी रहती थी। यहां कई घर थे, लेकिन समुद्र का पानी आगे बढ़ने के साथ एक-एक कर घर समुद्र में समाते चले गए। समय के साथ पूरे इलाके का स्वरूप बदल गया।

ज्वार पीछे हटने पर मंदिर का हिस्सा नजर आया तो स्थानीय लोग इसे देखने पहुंचने लगे। समुद्र के नीचे दबे मंदिर के शिखर ने इलाके में फिर चर्चा छेड़ दी है।

पांच सौ कर्मियों ने देखा निगम का नया सेवा निगम कार्यक्रम

नगर निगम मुख्यालय में वर्चुअल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कर्मचारियों ने पहल को बताया हितों के लिए सकारात्मक कदम

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारंभ कार्यक्रम में नगर निगम मथुरा-वृंदावन के 500 से अधिक कर्मियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय में देखा और सुना गया।

कार्यक्रम में नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर नगर आयुक्त सुनीता, पार्षदगण, सेवा आयोजन अधिकारी, परियोजना अधिकारी, डूडा सहित निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन का उद्देश्य आउटसोर्स कर्मियों के नियोजन और सेवा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाना है। इसके माध्यम से कर्मचारियों से संबंधित प्रक्रियाओं को बेहतर प्रणाली के तहत संचालित करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद आउटसोर्स कर्मियों ने निगम की इस पहल का स्वागत किया। कर्मचारियों ने इसे अपने हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रदेश सरकार की पहल की सराहना की।

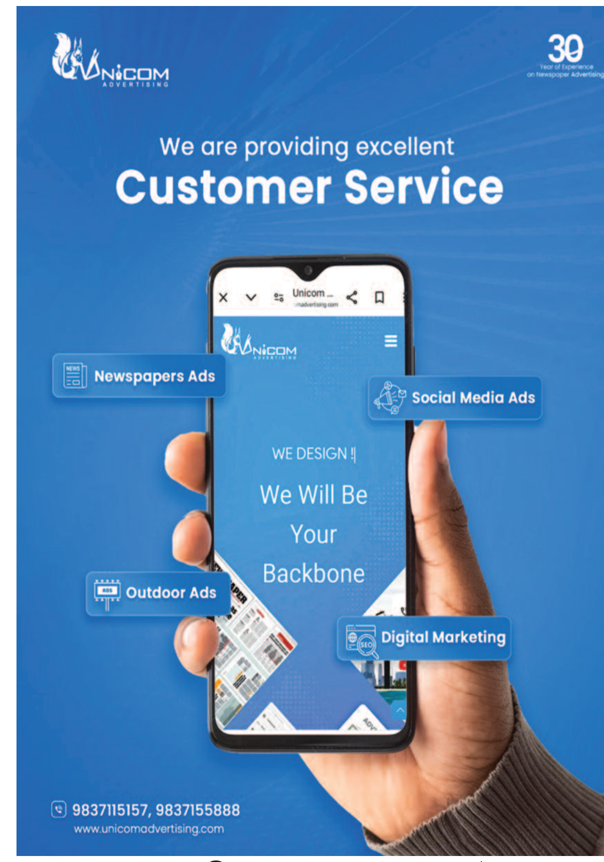

मथुरा रिफाइनरी में उत्साह के साथ मनाया 67 वां इंडियन ऑयल दिवस

इंडियन ऑयल के 67 वें दिवस पर केक काटते हुए कार्यकारी निदेशक मुकुल अग्रवाल एवं अधिकारीगण

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कर्मचारियों को किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी में 67 वां इंडियन ऑयल दिवस केक काटकर उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का नेतृत्व कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने किया। इस मौके पर कर्मचारियों ने कंपनी की प्रगति और उत्कृष्ट कार्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर लगाया गया।

शिविर में 100 से अधिक इंडियन ऑयल के कर्मचारियों ने रक्तदान किया। इसके बाद कॉर्पोरेट कार्यालय और रिफाइनरीज मुख्यालय से प्रसारित इंडियन ऑयल दिवस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

इस अवसर पर मुकुल अग्रवाल ने कर्मचारियों को इंडियनऑयल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कंपनी की मजबूत नींव रखने वाले पूर्व अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान प्रेरणादायक बताया। समारोह में इंडियन ऑयल परिवार के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्य क्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को दीर्घ सेवा पुरस्कार, बेहतर सुझाव देने वालों को सुझाव योजना पुरस्कार और उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में आईओएमआरकेएस के अध्यक्ष तथा आईओओए, मथुरा रिफाइनरी के सचिव ने भी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

मकान के स्वामित्व को लेकर विवाद, सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में मकान के स्वामित्व और सरकारी अनुदान से जुड़े मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बृजेश कुंतल निवासी अनार विला डैम्पियर नगर के अनुसार वादी ने उक्त मकान खरीदा था और कब्जा प्राप्त कर लिया था। मकान के कुछ हिस्से में पूर्व मालिकों की अनुमति से नारायण सिंह निवासी महरौली, गोवर्धन चौकीदार के रूप में रह रहा था। वादी का आरोप है कि पूर्व मालिकों द्वारा नारायण सिंह की अनुमति समाप्त किए जाने के बावजूद उसने मकान के एक हिस्से पर अपना स्वामित्व दर्शाया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नारायण सिंह, महेश, विजेन्द्र सिंह, कमल सिंह, ललिता, देवा और शारदा ने मिलकर मकान के सह-स्वामित्व से संबंधित कथित फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

साथ ही डूडा विभाग के अधिकारियों को गुमराह कर ललिता के नाम से सरकारी अनुदान प्राप्त करने का भी आरोप लगाया गया है। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जन्माष्टमी पर मथुरा के लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

निजामुद्दीन-मथुरा के बीच 3 से 5 सितंबर तक तीन फेरे

आगरा कैंट से भी विशेष मेमू का संचालन

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने अनारक्षित विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। हजरत निजामुद्दीन-मथुरा के बीच 3 से 5 सितंबर तक तीन फेरे विशेष ट्रेनें चलेंगी। गाड़ी संख्या 04410 हजरत निजामुद्दीन से सुबह 10:30 बजे चलकर दोपहर 1:05 बजे मथुरा पहुंचेगी। वापसी में 04409 मथुरा से दोपहर 1:35 बजे चलकर शाम 4:45 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसी तरह 04412 निजामुद्दीन से सुबह 9:45 बजे और 04411 मथुरा से दोपहर 12:50 बजे चलेगी। दोनों ट्रेनों का ठहराव पलवल, होडल, कोसी कलां, छाता, वृंदावन रोड और भूतेश्वर समेत निर्धारित स्टेशनों पर होगा। आगरा कैंट-पलवल और आगरा कैंट-हजरत निजामुद्दीन के बीच भी 2 से 6 सितंबर तक पांच फेरे विशेष मेमू ट्रेनें चलेंगी। गाड़ी संख्या 01941 आगरा कैंट से सुबह 6:30 बजे और 01942 पलवल से सुबह 10 बजे चलेगी। वहीं 01943 आगरा कैंट से शाम 4 बजे और 01944 निजामुद्दीन से रात 8:35 बजे रवाना होगी।

गांजा बिक्री करने वाला गिरफ्तार, नौ किलो 894 ग्राम गांजा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करके एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नौ किलो 894 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत पुलिस द्वारा नशाखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान स्वाट टीम और राया पुलिस ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करने के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे के राया कट अंडर पास के समीप से अभियुक्त रामेश्वर निवासी गांव दीवाना कलां थाना यमुनापार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

डीएम और एसएसपी ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों को दिए निर्देश

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर बरती जाएगी विशेष सतर्कता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व और मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर बुधवार को वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान परिसर के स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में अधिकारियों की ब्रीफिंग हुई। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने पर्व के दौरान सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ड्यूटी तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

लड्डू गोपाल का बदलेगा रूप, पोशाक बाजार में बढ़ी रौनक

दुकान में बिक्री के लिए रखी पोशाक।

जन्माष्टमी पर कान्हा के लिए बनीं पोशाक।

बाजारों में सजे रंग बिरंगे वस्त्र, खरीदारी को उमड़े श्रद्धालु

मुकुट, बांसुरी और मोरपंख से सजेगा कान्हा का दरबार

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नजदीक आते ही मंदिरों के साथ घरों में भी जन्मोत्सव को लेकर उत्साह नजर आने लगा है। श्रद्धालु अपने घरों में विराजमान लड्डू गोपाल के विशेष श्रृंगार की तैयारी में जुट गए हैं। बाजारों से नई पोशाक और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी की जा रही है।

वृंदावन के बाजारों में लड्डू गोपाल के लिए विभिन्न रंगों, आकारों और डिजाइनों की पोशाकें उपलब्ध हैं। दुकानों पर पारंपरिक कढ़ाई वाली पोशाकों के साथ आकर्षक डिजाइन और सजावटी वस्त्र भी मौजूद हैं। श्रद्धालु लड्डू गोपाल के आकार और अपनी पसंद के अनुसार पोशाक का चयन कर रहे हैं। लड्डू गोपाल को आकर्षक रूप देने के लिए पोशाक के साथ मुकुट, बांसुरी, मोरपंख, हार, माला और अन्य श्रृंगार सामग्री की भी खरीदारी हो रही है। प्रेम मंदिर के सामने भगवान के श्रृंगार की दुकान संचालित करने वाले पिंटू पाठक ने बताया कि पर्व को देखते हुए अलग-अलग आकार और डिजाइन की पोशाकों का पर्याप्त भंडार मंगाया गया है। अब तो श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है।

जन्माष्टमी पर खुले कुट्टू आटे से बचें, पैक्ड आटा लें

सीएचसी प्रभारी ने व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं को किया आगाह

यूनिक समय, फरह। जन्माष्टमी पर व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं को कुट्टू के आटे की खरीदारी में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. रामवीर सिंह ने क्षेत्र के ग्रामीणों को खुले में बिकने वाला कुट्टू का आटा इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि व्रत के दौरान लोग कुट्टू के आटे का अधिक प्रयोग करते हैं। ऐसे में खुले आटे की गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर सावधानी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बाजार से खुला आटा खरीदने के बजाय प्रतिष्ठित कंपनी का पैक्ड कुट्टू आटा ही खरीदें। डॉ. रामवीर सिंह ने कहा कि पैकेट खरीदते समय उसकी पैकिंग, निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि और सील अवश्य जांच लें। किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री का इस्तेमाल न करें। उन्होंने ग्रामीणों से स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य सामग्री की खरीदारी में विशेष सतर्कता बरतने को कहा।